Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 40 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, मंगलवार 11 अगस्त 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धर्म ध्यान दूसरों के माध्यम से नहीं होता, उसके लिए स्वयं कमर कसना चाहिये।

Religious meditation is not attained through others, for is one must resolve him self.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

झारखंड विधानसभा गेट के पास लाठीचार्ज

■ छात्रों को पुलिस ने खदेड़ा, कई प्रदर्शनकारियों को गलगी चोट

रांची। झारखंड के रांची में जेपीएससी- जेएसएससी परीक्षा में धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों छात्र बैरिकेडिंग तोड़ विधानसभा गेट के पास पहुंच गए। छात्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें गेट से हटाने की कोशिश की, लेकिन नहीं हटे तो लाठीचार्ज कर खदेड़ दिया। कई बार पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की नौबत आई। दो-तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। कुछ छात्रों के सिर पर चोटें आई हैं। प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'झारखंड में विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग गलत है। छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है। झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करना चाहिए।' इससे पहले आंदोलनकारी छात्र सुबह 10 बजे ओल्ड विधानसभा के पास एकत्रित हुए और फिर विधानसभा के घेराव के लिए निकले। पुलिस ने कंटीले तार की बैरिकेडिंग कर रखी थी। पुलिस ने जैसे ही वाटर कैनन का इस्तेमाल किया छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। कुछ छात्रों ने राष्ट्रगान गाया। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। 6 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। इधर, सीआईडी ने जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को जेपीएससी ऑफिस में रेड के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। सीआईडी उनसे लगातार पूछताछ कर रही थी। झारखंड पीएससी-एसएससी की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर 17 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। देवेंद्रनाथ महतो समेत 6 छात्र भूख हड़ताल पर हैं।

पीएम मोदी ने की लवलीना की देशभक्ति और सूझबूझ की तारीफ

■ कहा-'उस समय मानचित्र की अहमियत को पहचानना विशेष बात थी'

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने की लवलीना की देशभक्ति और सूझबूझ की तारीफ कहा-'उस समय मानचित्र की अहमियत को पहचानना विशेष बात थी'

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मुलाकात की है। बॉक्सिंग में देश को सिल्वर मेडल दिलाने वालीं लवलीना बोरगोहेन से भी प्रधानमंत्री मिले। खिलाड़ियों से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन की देशभक्ति और सूझबूझ की तारीफ की। पीएम ने मजाकिया अंदाज में पूछा, लोग इसे लंबे समय तक याद रखेंगे। क्या अब दुनिया भर के खिलाड़ी हमारे बॉक्सर्स से डरने लगे हैं? इसके बाद उन्होंने लवलीना से सवाल किया, क्या हुआ, वह रेस्टोरेंट वाले से झगड़ा कर रही थी? इस पर लवलीना ने जवाब दिया, खुशी का मौका था सर, हम जश्न मना रहे थे। मुझे अपने देश का गलत नक्शा देखना पसंद नहीं आया। मैंने उन्हें प्यार से बताया और उन्होंने बदलाव भी कर दिए। प्रधानमंत्री ने लवलीना के इस कदम को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा बताया। पीएम ने कहा, जब आप जश्न मना रही थीं और गेम्स खत्म हो गए थे, उस समय उस मानचित्र की अहमियत को पहचान पाना कोई आम बात नहीं थी। यह सोच-समझकर किया गया काम था। इसे लोग बहुत लंबे समय तक याद रखेंगे। लवलीना ने कहा, हम लोगों को जिस तरह से सपोर्ट मिल रहा है और बैक टू बैक प्रतिस्पर्धा करने को मिल रहा है, यह बड़ी बात है। जितने भी युवा एथलीट हैं वे सभी 'खेलो इंडिया' स्कीम से आए हुए हैं। इससे बड़ा बदलाव हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, अगर आप लोगों की ओर से खेलों इंडिया की प्रतिष्ठा बढ़ाई जाती है तो यह बड़ा योगदान होगा। अभी हमें बहुत आगे जाना है, बहुत मेडल लाने हैं। बता दें कि लवलीना बोरगोहेन को ऑस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीनट्री से हार का सामना करना पड़ा था। पहले राउंड में ऑस्ट्रेलियाई बॉक्सर ने अपना दमखम दिखाते हुए 4 जजों से 10-10 अंक हासिल किए थे। इसके बाद लवलीना ने शानदार कमबैक करते हुए दूसरे राउंड को 4-1 से अपने पक्ष में किया।

यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन का प्रादेशिक सम्मेलन 11 से 13 सितम्बर को महोबा में आयोजित

■ 28 अगस्त तक कराना होगा पंजीकरण

महोबा (विश्व परिवार)। यू.पी. वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन का प्रादेशिक प्रतिनिधि सम्मेलन इस वर्ष बुंदेलखंड की ऐतिहासिक धरती महोबा में आयोजित किया जाएगा स। सम्मेलन 11 से 13 सितम्बर 2026 तक चलेगा।

यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार सम्मेलन के मुख्य कार्यक्रम 11 और 12 सितम्बर को होंगे। वहीं 13 सितम्बर को प्रतिनिधियों के लिए विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल खजुराहो के भ्रमण का आयोजन किया गया है। विस्तृत कार्यक्रम बाद में जारी किया जाएगा।

सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि सम्मेलन में केवल वही इकाइयां भाग ले सकेंगी जिनका अब तक का सदस्यता शुल्क जमा है।

महोबा में होटलों की सीमित उपलब्धता को देखते हुए यूनियन ने सभी इकाइयों से समय से पंजीकरण कराने की अपील की है। प्रति व्यक्ति 500 रुपये पंजीकरण शुल्क 28 अगस्त 2026 तक जमा करना अनिवार्य होगा। इच्छुक प्रतिनिधि शुल्क नकद रूप में राज्य मुख्यालय में जमा कर सकते हैं या श्री अजय यादव के मोबाइल नंबर 9565821043 पर भुगतान कर सूचना दे सकते हैं।

अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने कहा कि समय पर पंजीकरण से प्रतिनिधियों के लिए आवास और अन्य व्यवस्थाएं सुगमता से कराई जा सके।

बृजमोहन अग्रवाल ने संसद में उठाया खेल विज्ञान विशेषज्ञों का मुद्दा

■ देशभर में 173 रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया जारी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को आधुनिक और वैज्ञानिक प्रशिक्षण सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में खेल विज्ञान विशेषज्ञों, Sports Psychology, Nutrition और स्थायी Sports Science व्यवस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार देश के 23 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (NCOEs) में खेल विज्ञान कर्मियों के 384 स्वीकृत

पदों में 211 पद भरे हुए हैं, जबकि शेष पदों पर लागू भर्ती नियमों के अनुसार नियुक्तियां की जा रही हैं।

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के लिए विशेषज्ञ सुविधाओं पर विशेष जोर

बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के SAI Training Centres और Khelo India Centres में खेल मनोवैज्ञानिकों और पोषण विशेषज्ञों की उपलब्धता का विषय भी प्रमुखता से रखा।

मंत्रालय ने जानकारी दी कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ के इन केंद्रों में मनोवैज्ञानिक और पोषण विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं हैं।

सांसद अग्रवाल ने कहा कि आधुनिक खेलों में प्रशिक्षण के साथ Sports Science, Nutrition, Psychology, Biomechanics और Performance Analysis खिलाड़ियों के प्रदर्शन को नई ऊंचाई देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी इन आधुनिक सुविधाओं और विशेषज्ञ सहयोग का पूरा लाभ मिलना चाहिए।

नारेबाजी कर रहे विपक्षी सांसदों को किरण रिजिजू ने दी चुनौती

■ 'गृहमंत्री जवाब देने को तैयार, विपक्ष सदन से न भागे'

नई दिल्ली। संसद में सोमवार को एक बार फिर हंगामा देखने को मिला। लोकसभा में विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजु ने विपक्ष से कहा- गृहमंत्री सदन में जवाब देने के लिए तैयार हैं, वो आएं तो विपक्ष सदन से भागे नहीं, उन्हें सुनना पड़ेगा। रिजिजु के इस तंज के बाद सदन का माहौल और गरमा गया। वहीं, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कराधान एवं अन्य विधियां (संशोधन) विधेयक, 2026 का विरोध करते हुए सरकार पर कई सवाल उठाए। लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई। कार्यवाही शुरू होने के करीब एक मिनट बाद ही पीठासीन अधिकारी एनके प्रेमचंद्रन ने सदन को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। इस दौरान विपक्षी सांसद हाथों में पोस्टर लिए नजर आए और नारेबाजी करते रहे। दोपहर 12 बजे सदन दोबारा शुरू हुआ तो पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने सदस्यों से जरूरी दस्तावेज सदन के पटल पर रखने को कहा, लेकिन विपक्षी सांसदों की नारेबाजी जारी रही।

जंतर-मंतर पर फायरिंग का आदेश किसने दिया: राहुल गांधी

■ नड्डा बोले- गृह मंत्री हर बात का जवाब देने को तैयार, आप मत भागिएगा

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने सवाल किया कि लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया। इसका जिम्मेदार कौन है, वो सामने आए। गृह मंत्री सदन में आकर बयान दें।

राहुल ने कहा कि विपक्ष की तीन मांगें हैं। पहली- युवाओं पर गोली चलाने की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। दूसरी- प्रधानमंत्री घटना के लिए माफी मांगें और तीसरी- राम मंदिर में चोरी के मुद्दे पर चर्चा हो। राहुल के प्रेस कॉन्फ्रेंस के एक घंटे बाद जेपी नड्डा ने मीडिया से बातचीत में कहा- जंतर-मंतर पर कोई गोली नहीं चली। राहुल गांधी भ्रम फैला रहे हैं। गृहमंत्री हर बात का जवाब देने को तैयार, आप चर्चा से मत भागिएगा। उधर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि शाह सदन में विस्तार से जवाब देंगे लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। उन्हें गृहमंत्री का जवाब बिना हंगामा किए सुनना पड़ेगा। हालांकि शाह कब बोलेंगे, रिजिजू ने इसकी जानकारी नहीं दी है। कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी किया और 10 अगस्त से 12 अगस्त के दौरान सदन में मौजूद रहने का आदेश दिया। लोकसभा में चार अहम बिल पेश किए गए। इनमें ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल, 2026, माइंस एंड मिनरल्स डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन अमेंडमेंट बिल, 2026 शामिल हैं। लोकसभा ने ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल को बिना चर्चा के पारित कर दिया। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक स्थगित कर दी गई।

मुख्यमंत्री ने हाथ में तिरंगा थामकर किया तिरंगा यात्रा का नेतृत्व

■ मुख्यमंत्री ने कहा - 140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधता है तिरंगा

रायपुर (विश्व परिवार)। हाथों में लहराता तिरंगा, भारत माता के जयघोष, देशभक्ति के गीत और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हजारों नागरिकों का उत्साह - राजधानी रायपुर आज पूरी तरह तिरंगे के रंग में रंगी नजर आई। बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम से सुभाष स्टेडियम तक निकली भव्य तिरंगा यात्रा में हजारों नागरिक राष्ट्रध्वज के तले एकजुट हुए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वयं हाथ में तिरंगा थामकर जनसैलाब के साथ कदम से कदम मिलाया। यात्रा में युवाओं, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, पूर्व सैनिकों और विभिन्न सामाजिक

वर्गों के लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा हाथों में थामा गया लगभग एक किलोमीटर लंबा तिरंगा पूरे आयोजन का विशेष आकर्षण रहा।

तिरंगा यात्रा के शुभारंभ से लेकर समापन तक राजधानी में राष्ट्रभक्ति का अद्भुत वातावरण दिखाई दिया। हजारों हाथों में एक साथ लहराते राष्ट्रीय ध्वज और भारत माता के जयघोष ने पूरे यात्रा मार्ग को राष्ट्रप्रेम की भावना से भर दिया। मुख्यमंत्री श्री साय भी नागरिकों के बीच तिरंगा लेकर आगे बढ़े। इस दौरान नागरिकों में मुख्यमंत्री के साथ चलने और राष्ट्रध्वज के सम्मान में आयोजित इस यात्रा का हिस्सा बनने को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान है। यह केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता, स्वाभिमान और असंख्य बलिदानों का प्रतीक है। तिरंगे में देश के 140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधने की अद्भुत शक्ति है। अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और क्षेत्रों की विविधता के बावजूद तिरंगा हम सभी को भारतीय होने के एक साझा गौरव से जोड़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तिरंगा लहराता है तो प्रत्येक भारतीय के मन में स्वाभाविक रूप से राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान का भाव जागृत होता है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्ष, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और एक सशक्त राष्ट्र के रूप में भारत की यात्रा का साक्षी है।

पूर्वोत्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड कम्यूनिटी के प्रतिनिधिमंडल का रायपुर आगमन

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में हुआ भव्य स्वागत

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं पूर्वोत्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड कम्युनिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने जा रहे ऐतिहासिक कार्यक्रम ÷बिजनेस कनेक्ट÷ में शामिल होने के लिए पूर्वोत्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स का प्रतिनिधिमंडल आज रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुँचा। एयरपोर्ट पर चैंबर के प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी जी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। पूर्वोत्तर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड कम्यूनिटी के प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से

क्ष्ट्टष्ट दिल्ली ह्ष्ट्रक्र के चेयरमैन श्री अजय खेमानी, वाइस चेयरमैन श्री सुशील अग्रवाल, अध्यक्ष श्री राजेश सोनी तथा कार्यकारी सदस्य एवं स्टार सीमेंट निर्माता श्री पंकज केजरीवाल शामिल हैं। इनके साथ ही बीकानेरवाला, रेक्सिन व ग्रैनाइट व्यवसायी श्री नवरतन अग्रवाल, मोटिवेशनल स्पीकर एवं एग्रीकल्चर ड्रोन निर्माता डॉ. शंकर गोयनका, स्टील प्लांट उद्योगपति श्री उदय चैधरी, फंडिंग व बिजनेस डेवलपमेंट विशेषज्ञ श्री सारंग अग्रवाल, ट्रैवल्स एवं फाइनेंस विशेषज्ञ सीए उमेद कुमार जैन, छ्रस्र ग्रुप के श्री संतोष मित्तल, रियल एस्टेट क्षेत्र से श्री विजय अग्रवाल व श्री गोपाल अग्रवाल, कॉरपोरेट गिफ्ट व्यवसायी श्री पंकज अग्रवाल तथा द्वञ्ज सेक्टर से श्री लोकेश खेतान रायपुर पहुँचे हैं। छत्तीसगढ़ के व्यापार एवं उद्योगों को पूर्वोत्तर राज्यों तक विस्तार देने के उद्देश्य से कल दोनों चेम्बरों के संयुक्त तत्वावधान में ÷बिजनेस कनेक्ट÷ का विशाल आयोजन किया जा रहा है, जिसमें क्क2क्क मीटिंग्स, बिजनेस नेटवर्किंग और मार्केट एक्सचेंज पर विस्तृत चर्चा होगी। यह कार्यक्रम कल, मंगलवार 11 अगस्त को प्रातः 10.30 बजे से होटल बेबीलोंन इंटरनेशनल, वी.आई.पी. रोड, रायपुर (छ.ग.) में आयोजित होगा।चेम्बर अध्यक्ष सतीश थौरानी जी ने बताया कि इस आयोजन से छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर के बीच व्यापारिक संबंधों का एक नया अध्याय शुरू होगा।इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया, कार्यकारी अध्यक्ष- राधाकिशन सुंदरानी, जसप्रीत सिंह सलूजा,कार्यकारी महामंत्री- विकास आहूजा, उपाध्यक्ष- लोकेश चंद्रकांत जैन, दिलीप इसरानी,सुदेश मध्यान, जितेंद्र बड़वानी, जितेंद्र शादीजा, मनीष प्रजापति, प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34121/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34121
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107A00524** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANITA KURRE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PUNIT RAM KURRE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **USHA SONWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O PRATAP SINGH SONWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33861/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33861
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652N00994** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **TULESHWAR CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KRISHNA KUMAR CHANDRAKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VEENA CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TULESHWAR CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33870/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33870
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651A00294** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL RAMSINGH DHRUW** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. MUKUT RAM DHRUW** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANGEETA GYANESHWARI DHRUV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KALYAN SINGH DHRUV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33917/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33917
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652M01931** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ABDUL SAMAD KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ABDUL SHAFUR KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SITARA BEGAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VASI AHMAD KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33957/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33957
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652M02073** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MS THAKKAR CONSTRUCTION PROPRIETOR PRASHANT JASANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. KANTI LAL JASANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. KUNAL TARAK 2.TAKESHWAR TARAK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. RAMJI TARAK 2. RAMJI TARAK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33982 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33982
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652N0614D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. NARAYAN YADAV , 2. MANSINGH SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEVCHARAN YADAV , HUKUM LAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AJAY KUMAR GIRI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAHRI LAL GIRI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34125 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34125
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446K0085A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VIJAY KUMAR MAYANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. CHANDIRAM MAYANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DEV SACHDEV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANOHAR LAL SACHDEV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34123/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34123
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446K00085** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANJAY KUMAR MAYANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDI RAM MAYANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NIKITA SACHDEV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUSHIL KUMAR SACHDEV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34051 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34051
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446H00447** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MUNNI DEVI DASSANI ,CAMIT DASSANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SURESH CHAND DASSANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MOHAMMED ABDULLAH ASRAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASRAR MAHMOOD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33983/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33983
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652M02432** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANOJ PAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAM PAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAKESH BANCHOR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHOUKILAL BANCHOR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34127/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34127
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R00590** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAA SHARDA BUILDCON PARTNER BY MAHESH DHANGAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DOMU RAM DHANGAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANJU BAI RAUAT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHESH RAUAT** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34130/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34130
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R00826** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DIPAK SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DHANIRAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **YURAJ KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. DAULAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34226/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34226
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652N1049B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SAROJ YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MUKESH YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJARSH VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **L.L. VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33859/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33859
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652L0135C** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NISTHA CHATURVEDI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PAWAN CHATURVEDI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AYSHA AKHTAR KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ISRAR ALI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33860/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33860
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652J00282** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL PANSINGH KUSHAWAHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. BHAGIRATH KUSHWAHA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MANISHA PAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PINTU PAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा एवं शपथ पत्र** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34227/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34227
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652N0370B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUSHIL KUMAR VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MAHENDRA KUMAR KASHYAP** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR KASHYAP** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34242/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 08-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34242
वार्ड का नाम- 19 - डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 19 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802B00105** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PANCHRAM MAHILANGE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JIVARAKHAN MAHILANGE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1- SMT. SHIVKUMARI MAHILANG W/O LT. PANCHRAM MAHILANG 2- BHUPENDRA MAHILANG AND SUNIL MAHILANG S/O LT. PANCHRAM MAHILAGN 3- DIMPLE MAHILAG AND AYUSH MAHILANG S/O LT. TARACHAND MAHILANG** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI BASANT LAL VISHWAKARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34240/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 08-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34240
वार्ड का नाम- 19 - डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 19 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802N00224** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NANDA LONHARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMESH LONHARE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VINOD KUMAR VISHWAKARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI BASANT LAL VISHWAKARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./30994/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30994
वार्ड का नाम-43-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR759C00343** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. SAVITA OUSAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANAND** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SHOBHA KAHAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SURENDRA KAHAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **आपसी बंटवारानामा एवं शपथ पत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा निर्मित द्वारा गुढ़ियारी एल. आई. जी. भवन योजना के अंतर्गत भूखण्डों/भवनों में से भूखण्ड/भवन क्रमांक **एल.आई.जी. - 22 श्री सिद्धार्थ शंकर दास पिता श्री गौतम प्रसाद दास** को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा **दिनांक 10/05/1994** को विक्रय विलेख निष्पादित करा लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 20/02/26 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्री 1. मनीष मोटघरे 2 रमा शंकर शर्मा** पिता/पति **1. स्व. विजय मोटघरे 2 स्व. श्री गोपाल शर्मा** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./33813/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33813
वार्ड का नाम-4 यतीयतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104J0063S** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHOLAMATI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ROSHAN LAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **POONAM KAWLE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O JITENDRA KAWLE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** ने/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34100/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34100
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR160D00267** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **K. JAGANNATH DEV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. K. SIMACHALAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PREMLATA VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O JITENDRA KUMAR VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **01.MALMA VIKRAYA IKARARNAMA 02. SHAPAT PATRA 03. TAX RASHI KE AADHAR PAR** ने/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./33563/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 10-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33563
वार्ड का नाम-57-भगवती चरण शुक्ला वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR447D0227B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAMESH LAL NAGWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. PARUMAL NAGWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **देवकी बाघ, भावना बाघ, नंदिनी बाघ, देवेन्द्र बाघ सभी पति /पिता स्व. गजानंद बाघ व गुलाब राय आहूजा पिता स्व. भिमन दास आहूजा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छ0ग0)

इश्तिहार

रा0प्र0 क्रमांक /
//2025-2026
रायपुर, दिनांक 10/08/2026
ग्राम डुमरतराई प0ह0नं0 74
तहसील व जिला रायपुर छ0ग0

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक **श्री पवन साय प्रदेश महामंत्री (संगठन) भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर धमतरी रोड बोरियाकला रायपुर (छ.ग.)** द्वारा कलेक्टर महोदय रायपुर (छ.ग.) के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जो कि उचित माध्यम से प्राप्त हुआ है। उक्त आवेदन के अनुसार **ग्राम डुमरतराई प.ह.नं. 74 रा.नि.मं. रायपुर-10 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 191/1 रकबा क्रमशः 0.3170हे. अर्थात् 3170.15 वर्गमीटर भूमि "छ.ग. गृह निर्माण मंडल"** के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि को **भारतीय जनता पार्टी** विकास खण्ड स्तरीय कार्यालय रायपुर को आबंटित किए जाने का निवेदन किया गया है। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति **दिनांक 28/08/2026** को इस न्यायालय में पेश करें । नियत समयावधि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
गया । **आज दिनांक 10/08/2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया

मुहर
नायब तहसीलदार
रायपुर छ.ग.

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, मंगलवार 11 अगस्त 2026

भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर दूरदर्शी कार्ययोजना बनाएं : उप मुख्यमंत्री साव

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने कहा है कि समय की मांग बदल रही है, इसलिए अधिकारी वर्तमान के साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर दूरदर्शी कार्ययोजना बनाएं। विकास कार्यों में तेजी के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों में विलंब को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करने की बात कही। साव आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित अधिकारियों की बैठक में शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

बैठक में विधायक धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला एवं दिलीप लहरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, महापौर पूजा विधानी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित सभी जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों के अध्यक्ष तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री साव ने बिल्हा के बरतोरी से मोहतरा मार्ग पर सड़क के बीच बिजली के खंभे खड़े किए जाने के मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला पंचायत सीईओ को मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच में दोषी पाए जाने पर बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक से अनुपस्थित रहने वाले चार अधिकारियों के प्रति भी प्रभारी मंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने बिल्हा, कोटा और तखतपुर जनपद पंचायत के सीईओ तथा रतनपुर नगरपालिका के सीएमओ को शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने विभागों के कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा करते रहने और मैदानी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा।

जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए बनाएं ठोस कार्ययोजना : साव ने कहा कि बिलासपुर शहर में पहली ही बारिश में जलभराव की स्थिति सामने आई है। इससे निपटने के लिए अभी से ऐसी बेहतर और स्थायी कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे आने वाले वर्षों में शहरवासियों को इस समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान सड़कों पर गड्ढे और क्षति की स्थिति बनती है। विभागीय अधिकारी इसकी तैयारी अभी से रखें, ताकि बारिश समाप्त होते ही सड़कों की मरम्मत और सुधार कार्य तत्काल शुरू किया जा सके। उन्होंने निर्माण विभागों की अलग से बैठक

लेकर कार्यों की विस्तृत समीक्षा करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किए जाएं।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए गांव स्तर तक निगरानी : प्रभारी मंत्री ने मलेरिया सहित मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए जिले की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने गांव स्तर पर लगातार निगरानी रखने तथा मितानिन स्तर तक आवश्यक एवं मूलभूत दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ. शुभा गरेवाल ने बताया कि कोटा विकासखंड में अब तक मलेरिया के 48 मरीज मिले हैं। इनमें 6 मरीज उपचाररत हैं, जबकि अन्य मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। रोटरी क्लब के सहयोग से प्रभावित क्षेत्र में 1500 मच्छरदानियों का वितरण किया जा रहा है।

पर्याप्त बारिश से फसलों की स्थिति अच्छी, खाद-बीज पर्याप्त : कृषि विभाग की समीक्षा में बताया गया कि जिले में पर्याप्त बारिश होने से फसलों की स्थिति अच्छी है। बांधों में भी पर्याप्त जलभराव है। जिले में खाद-बीज की कोई कमी नहीं है। वर्तमान में समितियों में लगभग 300 क्विंटल बीज तथा 10 हजार मीट्रिक टन डीएपी, यूरिया सहित अन्य उर्वरक उपलब्ध हैं। साव ने कहा कि इस वर्ष धान खरीदी के लिए किसानों का एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन जरूरी है। उन्होंने किसानों को इसकी जानकारी देने और गांव-गांव शिविर लगाकर पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंजीयन के अभाव में एक भी किसान धान बेचने से वंचित नहीं होना चाहिए।

स्थानीय जरूरत के अनुरूप वीबी-जी रामजी योजना में काम स्वीकृत करें : जिला पंचायत की योजनाओं की समीक्षा के दौरान साव ने वीबी-जी रामजी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजना के तहत फील्ड की वास्तविक जरूरतों के आधार पर कार्य स्वीकृत किए जाएं। मुक्तिधाम, शौचालय, स्कूलों की मरम्मत, जल संरक्षण, छोटे बांध सहित स्थानीय आवश्यकता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने गांवों में जल संरक्षण के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने और पानी बचाने के लिए जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 804 सिंगल विलेज योजनाओं में से 310 योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। इनमें से 219 योजनाएं ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित की जा चुकी हैं। प्रभारी मंत्री ने योजनाओं के निरंतर संचालन एवं रखरखाव के लिए जनभागीदारी से जल अर्पण अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने वाटर रिचार्जिंग के लिए जिले में जनभागीदारी के साथ किए गए प्रयासों की सराहना की।

मल्हार और रतनपुर के समन्वित विकास का बनेगा मास्टर प्लान : साव ने ऐतिहासिक नगरी मल्हार और रतनपुर के समन्वित एवं सुनियोजित विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दोनों ऐतिहासिक स्थलों की विरासत, पर्यटन संभावनाओं और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समग्र विकास की कार्ययोजना तैयार की जाए। नगर विकास की समीक्षा के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, अधोसंरचना विकास और साफ-सफाई के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बिलासपुर में आईएसडीपी योजना के तहत निर्मित आवासों की आवश्यक मरम्मत कराकर पात्र गरीब परिवारों को शीघ्र आवंटित करने को कहा।

संक्षिप्त समाचार

छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा कानूनों, योजनाओं और हेल्पलाइन सेवाओं की दी गई जानकारी

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-छत्तीसगढ़ में बालिका शिक्षा, महिला सुरक्षा और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत सूरजपुर जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कैलाशपुर में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं के लिए निबंध प्रतियोगिता, नारा लेखन प्रतियोगिता और वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। जागरूकता सत्र में विशेषज्ञों द्वारा घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह के दुष्परिणाम तथा बाल विवाह निषेध कानून की विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा) और 1930 (साइबर अपराध हेल्पलाइन) पर संपर्क कर तत्काल सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, महतारी वंदन योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर सहित महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न शासकीय योजनाओं और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों के बीच सूचना पुस्तिकाएं और ब्रोशर भी वितरित किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग के महिला सशक्तिकरण हब से वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ फरजाना तथा जेंडर विशेषज्ञ श्रीमती पूनम राजवाड़े ने बालिकाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता, वित्तीय जागरूकता और आत्मविश्वास के महत्व पर प्रेरक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती अमृता सिंह, युगल निकुंज, सुषमा खेश सहित समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उद्योग मंत्री ने निगम के 04 वार्डो को दी 60 लाख रू. के विकास कार्यो की सौगात

कोरबा। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, सार्वजनिक उपक्रम व आबकारी मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने पोड़ीबहार स्थित चन्द्रा समाज भवन में आयोजित भूमिपूजन लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान नगर पालिक निगम कोरबा के 04 वार्डो के 60 लाख रूपये के विकास कार्यो की सौगात दी। उन्होने वार्ड क्र. 32, 36, 37 व 24 में होने वाले व हुये विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण व भूमिपूजन किया, उन्होने जिन विकास कार्यो का भूमिपूजन किया गया है, उसका शीघ्र कार्य प्रारंभ कर ने तथा पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य संपादन करते हुये समयसीमा में कार्यो को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 32 अंतर्गत पोड़ीबहार में 25 लाख रूपये की लागत से चन्द्रा समाज के सामुदायिक भवन के पास सांस्कृतिक मंच, शेड व अन्य विस्तार कार्य किये गये हैं, जिसका लोकार्पण आज उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के हाथों किया गया। इसी प्रकार नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 32 अंतर्गत पोड़ीबहार राठौर मोहल्ला में 05 लाख रूपये की लागत से मंच का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 36 रिसदी बस्ती कन्हैया कंवर घर के पास 05 लाख रूपये की लागत से आर.सी.सी. छतदार सांस्कृतिक मंच का निर्माण, वार्ड क्र. 24 में शिव मंदिर के पास 05 लाख रूपये की लागत से एस.एस.रेलिंग, सौंदर्यीकरण एवं अन्य विस्तार कार्य, वार्ड क्र. 37 सिंचाई कालोनी रामपुर दुर्गा पण्डाल में 05 लाख रूपये की लागत से शेड निर्माण व अन्य विस्तार कार्य, वार्ड क्र. 36 डिंगापुर हनुमान मंदिर के पास यज्ञ शाला के समीप 07 लाख रूपये की लागत से सार्वजनिक मंच का निर्माण, वार्ड क्र. 36 डिंगापुर तालाब में 03 लाख रूपये की लागत से पचरी का निर्माण तथा वार्ड क्र. 24 जैन मंदिर के पीछे बुधवारी में राईटर पेंटर वेलफेयर एसोसिएशन आफकोरबा के पास 05 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का अहाता निर्माण कार्य कराया जाना हैं, इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन भी आज उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के हाथों किया गया। सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के साथ कोरबा का भी हो रहा तेजी से विकास- इस अवसर पर उद्योग मत्री श्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दिशा निर्देशन में सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य के साथ कोरबा का भी तेजी से विकास हो रहा है। उन्होने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुये कहा कि आप सबके आशीर्वाद से देश एवं प्रदेश में हमारी सरकार बनी तथा मुझे भी आप सबकी सेवा करने का अवसर मिला, जिसके लिये मैं आप सबका हृदय से आभारी हूँ। उन्होने कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ का निर्माण किया था, अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हमारे छत्तीसगढ़ को सजाने, संवारने का काम कर रहे हैं, उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद 15 वर्षो तक मुख्यमंत्री रहे डॉ.रमन सिंह ने राज्य को विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ाया तथा देश के अग्रणी राज्यों की कतार में छत्तीसगढ़ को खड़ा करने का कार्य किया।

वी.एम. कॉलेज ऑफफार्मेसी, बिश्रामपुर का शानदार प्रदर्शन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- वी.एम. कॉलेज ऑफ फार्मेसी बिश्रामपुर ने शैक्षणिक क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए डी. फार्मेसी फाइनल ईयर के परीक्षा परिणाम में 100 प्रतिशत सफलता दर्ज की है। कॉलेज के सभी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम गौरवान्वित किया।

इस शानदार परिणाम पर कॉलेज के डायरेक्टर श्री विजय राज अग्रवाल जी ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और नियमित अध्ययन के साथ-साथ महाविद्यालय के अनुभवी एवं समर्पित शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें फार्मेसी के क्षेत्र में ईमानदारी एवं सेवा भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

वहीं कॉलेज की प्राचार्य श्रीमती आस्था पाठक ने भी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि वी.एम. कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ प्रायोगिक एवं व्यावसायिक ज्ञान प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का 100 प्रतिशत परिणाम कॉलेज की शैक्षणिक व्यवस्था एवं शिक्षकों की मेहनत को दर्शाता है।

कॉलेज प्रबंधन ने इस सफलता का श्रेय सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को दिया। डी. फार्मेसी फाइनल ईयर में 100 प्रतिशत परिणाम से पूरे महाविद्यालय में उत्साह और हर्ष का माहौल है। यह उपलब्धि संस्थान को फार्मेसी शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी।

14 क्रिकेट टीमों का लीग राउंड पूरा आज से होगा सेमीफाइनल मुकाबला

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- एकता स्टेडियम विश्रामपुर में न्यू टैलेंट हंट प्रोत्साहन कप फुटबॉल टूर्नामेंट के आखिरी लीग मैच आज हायर सेकेंडरी स्कूल करंजी और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लाटोरी केबीच खेले गए मैच में करंजी 2-1 से विजयी रहा। आज इस मैच के मुख्य अतिथि नगर के उद्योगपति एवं पूर्व क्रिकेटर धन वीर सिंह खेड़ा व युवा नेता रामलाल सोनी मुख्य रूप से उपस्थित थे। टूर्नामेंट के आयोजक व जिला सूरजपुर डयूज़ बाल क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव राजेश जैन ने बताया कि भाग लेने वाले 14 टीम का लीग राउंड पूरा हो चुका है। कल से क्वार्टर फाइनल स्टेज की शुरुआत होगी। 8 टीमें अगले राउंड के लिए क्वालीफई कर चुके हैं। आज के मैन ऑफ द मैच लटोरी के खिलाड़ी राहुल को दिया गया।

गैलेक्सी एआई को आगे बढ़ाने में भारतीय रिसर्च एंड डेवलपमेंट की भूमिका बढ़ी, प्रीमियम स्मार्टफोन अब मेट्रो शहरों से बाहर भी तेजी से बढ़ रहे हैं: सैमसंग इंडिया

गुरुग्राम - सैमसंग इंडिया ने अपने नोएडा और बेंगलुरु स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट (R&D) सेंटर के बढ़ते योगदान के बारे में बताया है, जो गैलेक्सी एआई को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। भारत में बनी तकनीकें अब सैमसंग के दुनिया भर के एआई प्लान का हिस्सा बनती जा रही हैं। गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी Z फोल्ड8 और गैलेक्सीZ फ्लिप8 के सफल लॉन्च के बाद, सैमसंग ने कहा कि उसके भारतीय इंजीनियर भारतीय ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर एआई एक्सपीरियंस बना रहे हैं। कंपनी का कहना है कि भारत के आर एंड डी सेंटर से मिली जानकारी गैलेक्सी एआई के फीचर बनाने में मदद कर रही है, जो सैमसंग के दुनिया भर के इनोवेशन नेटवर्क में भारत की बढ़ती भूमिका को दिखाता है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा कि भारत में सैमसंग के इंजीनियर इस बात पर ध्यान दे रहे हैं कि लोग रोजमर्रा की जिंदगी में तकनीक का इस्तेमाल कैसे करते हैं, और इन बातों को व्यावहारिक एआई एक्सपीरियंस में बदल रहे हैं। उन्होंने कहा, -भारतीय ग्राहक तकनीक का इस्तेमाल कैसे करते हैं, यह समझकर हम उनकी जिंदगी को बेहतर बनाने के मौके ढूंढते हैं, चाहे वह वित्तीय प्रबंधन हो, स्मार्ट होम कंट्रोल हो या बुजुर्गों के लिए हेल्थ अलर्ट।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े का बड़ा प्रशासनिक निर्णय

सेवानिवृत्ति के दिन ही मिले सभी स्वत्व देयक और सम्मानजनक विदाई - श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने विभागीय प्रशासन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सेवानिवृत्ति प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि शासन की लंबी सेवा देने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी सेवानिवृत्ति के समय किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कठिनाई का सामना न करें, यह विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रमुख सचिव, संचालक समाज कल्याण तथा संचालक महिला एवं बाल विकास को निर्देशित किया है कि विभाग से सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रकरणों की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित

की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेवानिवृत्ति आदेश, पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण और अन्य सभी देय स्वत्व देयकों का निराकरण सेवानिवृत्ति तिथि से पूर्व पूर्ण कर लिया जाए, ताकि संबंधित कर्मचारी को उसके सेवानिवृत्ति दिवस पर ही सभी आदेश और भुगतान उपलब्ध हो सकें। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्राय: यह देखा गया है कि कई बार न मांग न जांच प्रमाण पत्र, सेवा सत्यापन तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया में विलंब होने से कर्मचारियों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ती है। कुछ मामलों में प्रशासनिक अनुमोदन हेतु प्रकरण देर से प्रस्तुत होने के कारण भुगतान और अन्य लाभ प्रभावित होते हैं। उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए सभी स्तरों पर समयबद्ध कार्यसंस्कृति अपनाने के निर्देश दिए। मंत्री ने शासन स्तर पर, विभागाध्यक्ष स्तर और अधीनस्थ कार्यालयों में सेवानिवृत्ति संबंधी कार्यों के लिए चेकलिस्ट आधारित मॉनिटरिंग प्रणाली लागू करने को कहा है। प्रत्येक कार्यालय में आगामी सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों की सूची तैयार कर उनकी प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी, ताकि कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सेवानिवृत्ति केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि कर्मचारी के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है। इसलिए विभागीय अधिकारियों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी कर्मचारियों को सम्मानजनक विदाई के साथ उनके सभी वैधानिक स्वत्व अधिकार समय पर प्राप्त हों।

सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के नेताओं ने नहीं रखा जन भावनाओं का ख्याल - हनुमान राही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- विश्रामपुर रेलवे स्टेशन क्षेत्र का सबसे पुराना रेलवे स्टेशन होने के बाद भी सत्ता एवं विपक्ष पार्टी के नेताओं ने विकास के नाम पर अपनी आंखें बंद कर ली इसलिए इसका विकास नहीं हो पा रहा है ।नेताओं की कुंभ करणी निद्रा के कारण रेल विभाग भी विश्रामपुर रेलवे स्टेशन को उपेक्षित कर के रखा है।

उक्त बातें विश्रामपुर रेलवे स्टेशन पर दिल्ली निजामुद्दीन ट्रेन का ठहराव न होने से नाराज युवा व्यवसायी हनुमान राही ने सत्ता एवं विपक्ष पार्टी के नेताओं का आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इस क्षेत्र ने केंद्रीय राज्य मंत्री , सांसद प्रदेश मंत्री ,विधायक दिया है। सत्ता के विभिन्न आयोग के दायित्व निभाने वाले लोग इस और कभी ध्यान नहीं दिया। कुछ नेताओं ने अपने विधानसभा का ध्यान रखा जिस कारण से प्रेम नगर विधानसभा में स्थित विश्रामपुर का रेलवे स्टेशन अपेक्षित रहा है इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता चाहे नेता कोई भी दलील दे। हनुमान रही ने आगे कहां की नेताओं के साथ-साथ स्थानीय जन् प्रतिनिधि भी कभी भी इस मुद्दे को लेकर मुखर नहीं हुए जिसका परिणाम हम सबको भुगतना पड़ रहा है

हनुमान रही ने कहा कि अभी भी समय है की जन् प्रतिनिधि नींद से उठे और जन भावनाओं को ध्यान में रख कर अंबिकापुर निजामुद्दीन एक्सप्रेस को विश्रामपुर

में जल्द ठहराव के लिए एडी चोटी लगा दे।

युवा व्यवसाय हनुमान रही ने आगे कहा किअंबिकापुर-निजामुद्दीन अंबिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन का विश्रामपुर स्टेशन पर ठहराव न होने से जनता में काफी आक्रोश धीरे-धीरे गुस्सा में परिवर्तित होने वाला है जिसे रेल्वे विभाग जल्द पहल कर समस्या रेल ठहराव के लिए पहल करें। इन्होंने आगे कहा कि विश्रामपुर अंबिकापुर से हज़रत निजामुद्दीन जाने वाली अंबिकापुर-निजामुद्दीन सुपरफास्ट एक्सप्रेस का विश्रामपुर रेलवे स्टेशन पर ठहराव (स्टॉपेज) न दिए जाने के कारण क्षेत्रीय नागरिकों और यात्रियों में गहरा आघात लगा है ट्रेन जब रेलवे स्टेशन से आती जाती है तो ऐसा लगता है की कोई हमारे सीने पर आरी चल रहा रहा हो श्री राही ने रेल संघर्ष समिति की मांगो का समर्थन करते हुए रेलवे प्रशासन से अति शीघ्र विश्रामपुर में ट्रेन के ठहराव की मांग की। इन्होंने कहा कि विश्रामपुर में कोयल की खदानें नहीं होती तो पूरे भारतवर्ष से यहां लोग क्या करने आते खजाने खोली लोगों को रोजगार मिला लोग यहां आए क्षेत्र में बसेरा हुआ विश्रामपुर लंबे समय से कोयला खदाने होने के कारण एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। क्षेत्र में कोयला खनन के शुरुआती दौर से ही विश्रामपुर स्टेशन का विशेष महत्व रहा है और पूर्व में सभी प्रमुख ट्रेनों का ठहराव यहाँ होता आया है। इस स्टेशन से विश्रामपुर शहर सहित आसपास के 8 से 10 ग्रामीण क्षेत्रों की एक बड़ी आबादी सीधे जुड़ी हुई है। बिश्रामपुर खदान क्षेत्र होने के कारण विभिन्न प्रांतो के लोग यहां रहते हैं जिससे यह लघु भारतीय के रूप में भी जाना जाता है और राजस्व देने वाले स्टेशन की उपेक्षा कर ठहराव न दिए जाने से स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और यात्रियों को ट्रेन पकड़ने के लिए सूरजपुर या अंबिकापुर जाना पड़ रहा है। इससे आम जनता को भारी आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यार्थियों को दिल्ली नोएडा आंध्र प्रदेश बेंगलुरु अन्य स्थान पर उच्च शिक्षा के लिए सीधी ट्रेन ना होने के कारण उनकी परेशानियां ज्यादा बढ़ जाती है खासकर छात्राओं के लिए।

क्षेत्रीय जनभावनाओं ,जन आवश्यकता,एवं जन समस्या को ध्यान में रखते हुए ट्रेन क्रमांक 22407-22408 का ठहराव शीघ्र बिश्रामपुर में शुरू करना चाहिए।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, मंगलवार 11 अगस्त 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

रोड-रोलर रुख

संसदीय परंपरा के तहत निचले सदन में विपक्ष के नेता को 'प्राइम मिनिस्टर इन वेटिंग' कहा जाता है। इस रूप में कई राजनीति-शास्त्री इसे प्रधानमंत्री के बाद सबसे महत्त्वपूर्ण पद बताते हैं। इस मान्यता के पीछे प्रमुख तर्क है कि नेता विपक्ष सरकार से असहमत पूरे जनमत की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। लोकतांत्रिक अपेक्षा यह है कि इन भावनाओं की भी कद्र की जाए। तो कहा जाता है कि पक्ष- विपक्ष दोनों लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था के अंग हैं। लेकिन यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेता विपक्ष सवाल पूछते हुए पत्र लिखें, और गृह मंत्री उसकी पावती भेजने की जरूरत भी ना समझें। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 25 जुलाई को भेजे पत्र में अमित शाह से पूछा था कि 20 जुलाई को छात्र- नौजवानों के 'संसद मार्च' के दौरान घातक हथियारों के इस्तेमाल तथा सादी पोशाक में 'सुरक्षाकर्मियों' की तैनाती का आदेश किसने दिया? 29 जुलाई को गांधी ने बताया कि जवाब तो दूर, पत्र का एक्नॉलेजटमेंट तक उन्हें नहीं मिला है। गांधी ने वही प्रश्न लोकसभा में पूछे, लेकिन वे शोरगुल और हंगामे के बीच कहीं दब गए। गांधी का कहना है कि चूंकि दिल्ली पुलिस, रैपिड एक्शन फोर्स और सीआरपीएफ (जिन एजेंसियों की तैनाती थी) केंद्रीय गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करते हैं, अत: दिल्ली में जो हुआ- अगर वह शाह की जानकारी में हुआ तो सारी जवाबदेही उनकी बनती है। अगर प्रदर्शनकारियों पर 'क्रूर हमले' की जानकारी उन्हें नहीं थी, तो शाह अयोग्य गृह मंत्री माने जाएंगे। इन दोनों ही स्थितियों में अमित शाह का गृह मंत्री बने रहना अस्वीकार्य हो गया है। राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि अमित शाह की जवाबदेही का सवाल फिलहाल कांग्रेस का मुख्य मुद्दा है। इस तरह संसद और उसके बाहर टकराव एक नया फ्लैश प्वाइंट तैयार हो गया है। ऐसा संभवत: नहीं होता, अगर शाह विपक्ष के प्रश्नों का उत्तर देते और दिल्ली की घटनाओं की निष्पक्ष जांच का एलान कर देते। मगर ऐसी बातों की अपेक्षा अब सदिच्छा भर मालूम पड़ती है। इसलिए सरकार के रोड-रोलर रुख ने संवाद से समाधान निकालने के सिस्टम को ही गतिरुद्ध कर रखा है।

विष्णुदेव सरकार ने बढ़ाया किसानों का मान खेती किसानी को मिला नया संबल

छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति परंपरा व आस्था से जुड़ा है हरेली तिहार

रायपुर। प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। गांव, गरीब और किसान सरकार की पहली प्राथमिकता में हैं। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है, छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की इन ढाई साल के अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीतिगत फैसलों से खेती किसानी को नया संबल मिला है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से समर्थन मूल्य पर 141.05 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का विशेष महत्व है। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह त्यौहार परंपरागत् रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन किसान खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है। गांव में बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद लेते हैं। इस त्यौहार से छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोक पर्वों की महत्ता भी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में गेड़ी के बिना हरेली तिहार अधूरा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदीकर न सिर्फ किसानों को मान बढ़ाया, बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही किसानों के खाते में रमन सरकार के पिछले दो वर्ष का बकाया धान के बोनस 3716.38 करोड़ रूपए अंतरित कर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर दी है। मुख्यमंत्री का मानना है कि भारत गांवों में बसता है। जब किसान खुशहाल होंगे तो प्रदेश का व्यापार, उद्योग बढ़ेगा। परंपरा के अनुसार वर्षों से छत्तीसगढ़

के गांव में अक्सर हरेली तिहार के पहले बढ़ई के घर में गेड़ी का ऑर्डर रहता था और बच्चों की जिद पर अभिभावक जैसे-तैसे गेड़ी भी बनाया करते थे। हरेली तिहार के दिन सुबह से तालाब के पनघट में किसान परिवार, बड़े बजुर्ग बच्चे सभी अपने गाय, बैल, बछड़े को नहलाते हैं और खेती-किसानी, औजार, हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती को साफ कर घर के आंगन में मुरूम बिछाकर पूजा के लिए सजाते हैं। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया जाता है। अपने-अपने घरों में अराध्य देवी-देवताओं की साथ पूजा करते हैं। गांवों के गुड़ी में ठाकुरदेव की पूजा की जाती है। हरेली पर्व के दिन पशुधन के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए औषधियुक्त आटे की लोंदी खिलाई जाती है। गांव में यादव समाज के लोग वनांचल जाकर कंदमूल लाकर हरेली के दिन किसानों को पशुओं के लिए वनौषधि उपलब्ध कराते हैं। गांव के सहाड़ादेव अथवा ठाकुरदेव के पास यादव समाज के लोग जंगल से लाई गई जड़ी-बूटी उबाल कर किसानों को देते हैं। इसके बदले किसानों द्वारा चावल, दाल आदि उपहार में यादवों को भेंट करने की परंपरा रही हैं। सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को हरेली पर्व मनाया जाता है। हरेली का आशय हरियाली ही है। वर्षा ऋतु में धरती हरा चादर ओड़ लेती है। वातावरण चारों ओर हरा-भरा नजर आने लगता है। हरेली पर्व आते तक खरीफ फसल आदि की खेती-किसानी का कार्य लगभग हो जाता है। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धोकर, धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ का चीला भोग लगाया जाता है। गांव के ठाकुर देव की पूजा की जाती है और उनको नारियल अर्पण किया जाता है। हरेली तिहार के साथ गेड़ी चढ़ने की परंपरा अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग सभी परिवारों द्वारा गेड़ी का निर्माण किया जाता है। परिवार के बच्चे और युवा गेड़ी का जमकर आनंद लेते है। गेड़ी बांस से बनाई जाती है। दो बांस में बराबर दूरी पर कील लगाई जाती है। एक और बांस के टुकड़ों को बीच से फाड़कर उन्हें दो भागों में बांटा जाता है। उसे नारियल रस्सी से बांधकर दो पउआ बनाया जाता है। यह पउआ असल में पैर दान होता है जिसे लंबाई में पहले कांटे गए दो बांसों में लगाई गई कील के ऊपर बांध दिया जाता है। गेड़ी पर चलते समय रच-रच की ध्वनि निकलती हैं, जो वातावरण को और आनंददायक बना देती है। इसलिए किसान भाई इस दिन पशुधन आदि को नहला-धुला कर पूजा करते हैं। गेहूं आटे को गूंथ कर गोल-गोल बनाकर अरंडी या खम्हार पेड़ के पत्ते में लपेटकर गोधन को औषधि खिलाते हैं। ताकि गोधन को रोगों से बचाया जा सके। गांव में पौनी-पसारी जैसे राऊत, लोहार व बैगा हर घर के दरवाजे पर नीम की डाली खोंचते हैं। गांव में लोहार अनिष्ट की आशंका को दूर करने के लिए चौखट में कील लगाते हैं। यह परम्परा आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यमान है। पिहले के दशक में गांव में बारिश के समय कीचड़ आदि हो जाता था उस समय गेड़ी से गली का भ्रमण करने का अपना अलग ही आनंद रहता था। गांव-गांव में गली कांक्रीटीकरण से अब कीचड़ की समस्या काफी हद तक दूर हो गई है। हरेली के दिन गृहणियां अपने चूल्हे-चौके में कई प्रकार के छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाती है। किसान अपने खेती-किसानी के उपयोग में आने वाले औजार नांगर, कोपर, दतारी, टंगिया, बसुला, कुदारी, सब्बल, गैती आदि की पूजा कर छत्तीसगढ़ी व्यंजन गुलगुल भजिया व गुड़हा चीला का भोग लगाते हैं। इसके अलावा गेड़ी की पूजा भी की जाती है। शाम को युवा वर्ग, बच्चे गांव के गली में नारियल फेंक और गांव के खेल मैदान में कबड्डी आदि कई तरह के खेल खेलते हैं। बहु-बेटियां नए वस्त्र धारण कर सावन झूला, बिल्लस, खो-खो, फुगड़ी आदि खेल का आनंद लेती हैं। हरेली तिहार सामाजिक समरसता का प्रतीक है यह केवल धार्मिक या कृषि पर्व नहीं है यह समाज के सभी वर्गों को एक साथ जोड़ने का माध्यम है। गांव के लोग मिल-जुलकर पूजा और कार्यक्रमों का आयोजन करते है। इस दिन परिवार में सुख-समृद्धि की कामना के साथ ही प्रकृति और पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है।

आलेख

हमर छत्तीसगढ़ के पहिली लोक परबः हरेली तिहार

तेजबहादुर सिंह भुवाल

छत्तीसगढ़ ला धान के कटोरा कहे जाथे। इहाँ के माटी, खेती-किसानी, लोक परंपरा अउ संस्कृति के बीच में एक-दूसर ले गहरा जुड़ाय हवय। एही समृद्ध लोक संस्कृति के पहिली अउ सबले महत्तम

परब आय - हरेली तिहार। सावन अमावस के दिन मनाय जाथे, ये तिहार सब पूजा-पाठ के अवसर नहीं हे, बल्कि हरियर प्रकृति, किसान, खेती, पशुधन अउ लोक जीवन के सम्मान के परब आय। हरेली शब्द के मतलबे आय - हरियाली। जब सावन के बरखा ले धरती हरियर चुनरी ओढ़ लेथे, खेत मं धान के पौधा लहलहाय लगथे, किसान के मन मा नई आस जगथे, त पूरा छत्तीसगढ़ हरेली तिहार के रंग मं रंग जाथे। इही कारण से हरेली ला छत्तीसगढ़ के पहिली लोक परब कहे जाथे। हरेली के दिन किसान अपन हल, नागर, रापा, कुदारी, फावड़ा, हंसिया, गाड़ी-बैला जइसने खेती के सब्बो औजार मन के साफ-सफाई करके पूजा करथें। ये औजार के पूजा नहीं हे, बल्कि किसान के मेहनत, पसीना अउ अन्नदाता के सम्मान के प्रतीक आय। खेती मा सहयोग करे वाला गाय-बैला मन के घलो पूजा करके ओकर सेवा अउ महत्व ला याद करे जाथे। ए दिन घर के दुवारी मा नीम, भिलवा अउ दूसर औषधीय डारी लगाय जाथे। लोक मान्यता हवय कि एखर ले नकारात्मक शक्ति दूर रहिथे अउ घर-परिवार सुरक्षित रहिथे। गांव-गांव मा बैइगा, गुनिया अउ पारंपरिक वैद्य पूजा-पाठ करथें। किसान मन बढ़िया बरसा, भरपूर फसल, पशुधन के सुख-समृद्धि अउ परिवार के खुशहाली बर भगवान ले प्रार्थना करथें। हरेली के दिन गांव-देहात में घरो-घर गुड़-चीला, फरा के संग गुलगुला भजिया, चौसेला, औउ बोबरा घलो बनाए जाथे, जेखर ले हरेली तिहार के उमंग हा अउ बाढ़ जाथे। किसान मन अपन किसानी औजार के पूजा-पाठ कर गाय-बैला ला दवई खवाये जाथे, ताकि वो हा सालभर बने रहाय। गांव-देहात के संगे-संग शहर मन डाहर घलो हरेली तिहार मनाये जाथे। ऐसे माने जाथे कि हरेली तिहार बर खेती-किसानी के पहली काम हा पूरा हो जथे। यानी बोआई, बियासी के बाद किसान औउ गरवा मन आराम करथे। ये दिन गाय-गरवा मन ला बीमारी ले बचाय बर बगरंडा और नमक खवाय जाथे औउ आटा मा दसमूल-बागगोंदली ला मिलाके घलो खवाथे। गांव मा लोकगीत, नाचा-गम्मत, मांदर के थाप अउ पारंपरिक व्यंजन ले पूरा माहौल आनंदमय हो जाथे। हरेली के सबले बड़े आकर्षण मा एक आए गेड़ी चढ़ना। बांस के बने गेड़ी मा चढ़के लइका मन गांव भर घूमथें, दौड़ लगाथें अउ लोक खेल के आनंद लेथें। ऐहा गेड़ी खेल नइ हे, बल्कि छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति, संतुलन अउ उत्साह के पहचान आय। आज के आधुनिक समय मा जिहां कई लोक परंपरा धीरे-धीरे कम होवत जात हे, ओतकेच हरेली तिहार हमन ला अपन जड़, अपन माटी अउ अपन संस्कृति ले जुड़े रेहे के सीख देथे। ये परब बताथे कि प्रकृति के बिना जीवन अधूरा हवय अउ खेती-किसानी हमर असली पहचान आय। छत्तीसगढ़ शासन घलो हरेली तिहार ला राज्य के सांस्कृतिक पहचान के रूप मा बढ़ावा देवत हवय। गांव-गांव मा हरेली तिहार मा गेड़ी दौड़, वृक्षारोपण, कृषि औजार पूजा, लोकनृत्य अउ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करे जाथें। एखर ले नई पीढ़ी अपन लोक संस्कृति अउ परंपरा ला जाने-समझे के मौका पाथे। आज जब पर्यावरण संरक्षण पूरा दुनिया बर चुनौती बन गे हवय, त हरेली तिहार के महत्व अउ बढ़ गे हवय। ये परब हमन ला रूख लगाय, हरियाली बचाय, पानी के संरक्षण करे अउ प्रकृति संग संतुलन मा जीए के प्रेरणा देथे। हरेली एक तिहार नइ, बल्कि छत्तीसगढ़िया अस्मिता, किसान के सम्मान, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता अउ लोक संस्कृति के गौरव के प्रतीक आय। ये परब हमन ला सिखाथे कि जेन धरती हमन ला अन्न देथे, जेन किसान मेहनत करथे अउ जेन प्रकृति हमन ला जीवन देथे, ओकर सम्मान करना हमर सबले बड़े जिम्मेदारी आए। आवव, हरेली तिहार के पावन अवसर मा हम सब्बो हरियर छत्तीसगढ़, स्वच्छ पर्यावरण अउ अपन समृद्ध लोक संस्कृति के संरक्षण के संकल्प लेवव। इही हरेली के असली संदेश अउ हमर छत्तीसगढ़ के गौरव आए। जय छत्तीसगढ़।

सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं और विकसित भारत की मजबूत नींव

जगत प्रकाश नड्डा

भारत ने पिछले एक दशक में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार किया है। सरकारी और निजी क्षेत्र में अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जांच केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ है। यह सरकार की ऐसी नीतियों को दर्शाता है, जिनका केंद्र आम नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए काम किया है। इन लगातार किए गए प्रयासों का परिणाम है कि देश में लोगों द्वारा अपनी जेब से स्वास्थ्य सेवाओं पर किए जाने वाले खर्च में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी कमी आई है। यह खर्च पहले 65 प्रतिशत तक था, जो अब घटकर 43 प्रतिशत रह गया है। जिला अस्पताल में जन्म लेने वाले नवजात शिशु से लेकर बड़े अस्पताल में इलाज करा रहे कैंसर मरीज तक, आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में भरोसेमंद, अच्छी गुणवत्ता वाले और किफायती चिकित्सा उपकरण बेहद जरूरी हो गए हैं। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत सरकार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत कर रही है। इसके लिए प्रयोगशालाओं को बेहतर बनाने, गंभीर मरीजों के इलाज की सुविधाएं बढ़ाने, बीमारियों की निगरानी व्यवस्था मजबूत करने और आपात स्थिति से निपटने की क्षमता बढ़ाने पर निवेश किया जा रहा है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, अब जोर एक आत्मनिर्भर चिकित्सा तकनीक क्षेत्र तैयार करने पर है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को और सस्ता, आसानी से उपलब्ध और किसी भी संकट के समय मजबूत बनाना है। पहले ,भारत कई आधुनिक और जटिल चिकित्सा उपकरणों के लिए काफी हद तक दूसरे देशों से होने वाले आयात पर निर्भर था। इन तकनीकों से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार तो हुआ, लेकिन इससे इलाज की लागत बढ़ी, आपूर्ति व्यवस्था पर बाहरी निर्भरता बनी रही और इन उपकरणों की पहुंच सीमित रही। इसी जरूरत को देखते हुए राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति, 2023 में देश के भीतर आधुनिक चिकित्सा उपकरण बनाने की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसका उद्देश्य चिकित्सा उपकरणों को सस्ता बनाना और जांच की लागत कम करना है। सरकार ने चिकित्सा उपकरणों के पूरे क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना, चिकित्सा उपकरण पार्क और दवा एवं चिकित्सा तकनीक के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने वाली योजना शामिल हैं। इन पहलों से देश में चिकित्सा उपकरणों के निर्माण, नए शोध, निवेश और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर माहौल तैयार हो रहा है। नतीजे उत्साह बढ़ाने वाले हैं। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत 50 से अधिक आधुनिक चिकित्सा उपकरणों का देश में उत्पादन शुरू हो चुका है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है, जो वैश्विक निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। ये उपलब्धियां बताती हैं कि भारत धीरे-धीरे दुनिया के चिकित्सा तकनीक क्षेत्र में एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में उभर रहा है। सिर्फ चिकित्सा उपकरणों का निर्माण केंद्र बनने के अलावा, भारत तेजी से आधुनिक चिकित्सा तकनीकों को अपना भी रहा है, ताकि लोगों का जीवन बेहतर बनाया जा सके। आधुनिक जांच सुविधाओं, शरीर की अंदरूनी तस्वीर लेने वाली मशीनों, शरीर में लगाए जाने वाले चिकित्सा उपकरणों, गहन चिकित्सा की मशीनों और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को किफायती दर पर उपलब्ध कराने से मरीजों पर इलाज का आर्थिक बोझ कम होता है। साथ ही इलाज की गुणवत्ता और समय पर इलाज मिलने में भी सुधार होता है। देश में ही चिकित्सा उपकरण बनने से विदेशों से आयात पर निर्भरता घटती है, आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होती है और लागत कम करने के अवसर बढ़ते हैं। भारत का विश्व स्तर पर पहचान बना चुका दवा उद्योग, मजबूत इंजीनियरिंग क्षमता, तेजी से फैलता डिजिटल ढांचा, तेजी से बढ़ता नए उद्यमों का क्षेत्र और कुशल मानव संसाधन अगली पीढ़ी की चिकित्सा तकनीक विकसित करने के लिए मजबूत आधार प्रदान करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, चिकित्सा उपकरण के रूप में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर (एसएमडी) , इंटरनेट से जुड़े चिकित्सा उपकरण, रोबोट आधारित तकनीक और दूर से जांच जैसी नई तकनीकों में भारत के पास देश और दुनिया की स्वास्थ्य जरूरतों के लिए नए समाधान विकसित करने के बड़े अवसर हैं। जैसे-जैसे भारतीय कंपनियां दुनिया के बाजार में विस्तार कर रही हैं, गुणवत्ता भी भारत में बने चिकित्सा उपकरणों की सबसे बड़ी पहचान बनती जा रही है। सरकार नियामक व्यवस्था को मजबूत करने, मान्यता प्राप्त जांच सुविधाओं का विस्तार करने, चिकित्सा उपकरणों की प्रभावशीलता से जुड़े वैज्ञानिक प्रमाण तैयार करने और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप व्यवस्था विकसित करने पर जोर दे रही है। इससे मरीजों की सुरक्षा बढ़ेगी और वैश्विक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता भी मजबूत होगी। दुनिया के स्तर पर प्रतिस्पर्धी चिकित्सा तकनीक क्षेत्र तैयार करने के लिए सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थानों, स्वास्थ्य सेवा देने वालों, नए उद्यमों और निवेशकों के बीच करीबी सहयोग जरूरी है। जब प्रयोगशालाओं में तैयार विचार आसानी से कारखानों तक और वहां से मरीजों तक पहुंचते हैं, तभी नए आविष्कारों को वास्तविक लाभ में बदला जा सकता है। सरकार ऐसी स्थिर और पारदर्शी नीतियां बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिनसे शोध, निवेश, तकनीकी साझेदारी और कारोबार करना आसान हो। भारत जैसे-जैसे विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, स्वास्थ्य और आर्थिक विकास एक-दूसरे को और मजबूत करेंगे। एक मजबूत चिकित्सा उपकरण उद्योग उच्च मूल्य वाले उत्पादन, कुशल रोजगार, निर्यात और तकनीकी क्षमता को बढ़ावा देगा। साथ ही इससे स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सस्ती, आसानी से उपलब्ध और किसी भी संकट के समय अधिक मजबूत बनेंगी।

जीआई टैगः वैश्विक ब्रांडों में पारंपरिक संपदा की वृद्धि

भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग स्थानीय समुदायों के लिए आर्थिक अवसर पैदा करते हुए भारत की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में उभरा है। उत्पादों को उनके मूल स्थान से जोड़कर, जीआई टैग पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करते हैं, दुरुपयोग को रोकते हैं और उपभोक्ता विश्वास को बढ़ाते हैं। वे कारीगरों, बुनकरों, किसानों और उत्पादक समूहों को बेहतर बाजार पहचान हासिल करने और प्रीमियम बाजारों तक पहुंच प्राप्त करने में मदद करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत के जीआई इकोसिस्टम का काफी विस्तार हुआ है, जो एक मजबूत कानूनी ढांचे और बढ़ती जन जागरूकता द्वारा समर्थित है। सरकार की पहल वित्तीय सहायता, निर्यात संवर्धन, पर्यटन एकीकरण और समर्पित विपणन प्लेटफार्मों के माध्यम से इस इकोसिस्टम को और मजबूत कर रही है। साथ ही, ये प्रयास जीआई उत्पादों को ग्रामीण विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और निर्यात-आधारित विकास के वाहकों के रूप में बदल रहे हैं। बनारस में एक बुनकर एक बनारसी साड़ी बनाने में कई सप्ताह का समय लगाता है। जटिलतापूर्ण जरी के काम का हर धागा असाधारण सटीकता और कौशल के साथ बुना जाता है। ये सदियों पुरानी परंपरा को संरक्षित करते हुए पीढ़ियों से चले आ रहे हैं। फिर भी, इन प्रयासों और शिल्प कौशल के बावजूद, कई प्रामाणिक बनारसी साड़ियां अक्सर अपने वास्तविक मूल्य से बहुत कम कीमतों पर बेची जाती हैं। खरीदार हमेशा हाथ से बुनी हुई असली साड़ी को अन्य नकलों से अलग करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। यह वह जगह है जहां दो शब्द यानी जीआई टैग (भौगोलिक संकेत) सभी अंतर बनाते हैं। एक जीआई टैग प्रमाणित करता है कि साड़ी वास्तव में बनारस में पारंपरिक तरीकों का उपयोग करके बनाई गई है। यह खरीदारों को इसकी प्रामाणिकता, गुणवत्ता और सांस्कृतिक विरासत का आश्वासन देता है। परिणामस्वरूप, प्रामाणिक बनारसी साड़ी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में काफी अधिक कीमत प्राप्त कर सकती है। यह सुनिश्चित करता है कि बुनकर को उनकी शिल्प कौशल के लिए अधिक मान्यता और बेहतर आर्थिक लाभ मिले। भारतीय परंपरा, अर्थव्यवस्था, स्थिरता में जीआई वस्तुओं का महत्व जीआई टैग कारीगर शिल्प के लिए प्रामाणिकता की मुहर के रूप में कार्य करता है, उन्हें नकल, दुरुपयोग और अनधिकृत व्यावसायीकरण से बचाता है। हालांकि, इसका महत्व कानूनी सुरक्षा से कहीं आगे तक फैला हुआ है। उदाहरण के लिए, चन्नापटना के खिलौनों को 2006 में जीआई मान्यता मिली। ये मान्यता सिर्फ कर्नाटक के चन्नापटना क्षेत्र में बने लकड़ी के खिलौनों पर ही लागू होती है। खिलौनों का उत्पादन क्षेत्र की विशिष्ट लाह कला का उपयोग करके किया जाना चाहिए। हालांकि यह एक सरल प्रमाणन प्रतीत हो सकता है, टैग दूरगामी लाभ प्रदान कर सकता है। एक जीआई टैग एक लेबल से कहीं अधिक है। वस्त्र मंत्रालय के अनुसार, यह ग्रामीण कारीगरों की आय को 20-30 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है! किसी उत्पाद की उत्पत्ति और अनूठी विरासत को प्रमाणित करके, जीआई टैग खरीदारों के बीच विश्वास पैदा करते हैं और उत्पाद की बाजार अपील को बढ़ाते हैं। जैसे-जैसे उपभोक्ता तेजी से प्रामाणिकता, परंपरा और शिल्प कौशल की तलाश कर रहे हैं, जीआई मान्यता गुणवत्ता और सांस्कृतिक विशिष्टता के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में कार्य करती है। जीआई-टैग किए गए उत्पादों की बढ़ती मांग कारीगरों को अधिक दृश्यता प्राप्त करने, प्रीमियम बाजारों तक पहुंचने, उनकी सौदेबाजी की शक्ति को मजबूत करने और उनके काम से उत्पन्न मूल्य के एक बड़े हिस्से पर कब्जा करने में सक्षम बनाती है। मान्यता स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करती है। वे भविष्य की पीढ़ियों के लिए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्वदेशी शिल्प कौशल को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुजफ्फरनगर गुड़ के लिए जीआई टैग ने विशिष्ट गुणवत्ता और उत्पत्ति के साथ एक प्रीमियम उत्पाद के रूप में अपनी पहचान को मजबूत करने में मदद की है। इस मान्यता का लाभ उठाते हुए, बृजनंदन एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी ने 2025 में बांग्लादेश को 30 मीट्रिक टन गुड़ का सफलतापूर्वक निर्यात किया। जीआई प्रमाणन ने खरीदारों के विश्वास को बढ़ाया और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उत्पाद की विपणन क्षमता में सुधार किया। परिणामस्वरूप, किसान के नेतृत्व वाली कंपनी को निर्यात के अवसरों तक पहुंच प्राप्त हुई। इसने अपने 545 सदस्यों के लिए आय की संभावनाओं को बढ़ाया और स्थानीय रूप से उत्पादित गुड़ के लिए अधिक मूल्य कायम किया। जीआई टैग का इतिहास, दर्जा और विनियमन पश्चिम बंगाल की दार्जिलिंग चाय जीआई टैग प्राप्त करने वाला भारत का पहला उत्पाद था, जिसमें उत्पाद और उसके लोगो दोनों को सुरक्षा प्रदान की गई थी। अन्य शुरुआती पंजीकरणों में केरल के एक पारंपरिक हस्तशिल्प अरनमुला कन्नडी और तेलंगाना के एक प्रसिद्ध वस्त्र शिल्प पोचमपल्ली इकत शामिल थे। भारतीय जीआई उत्पादों के लिए प्रमुख निर्यात स्थलों में ब्रिटेन, इटली, यूएई, बहरीन, कतर, अमेरिका, दक्षिण कोरिया शामिल हैं। बौद्धिक संपदा के एक रूप के रूप में, जीआई को औद्योगिक संपदा के संरक्षण के लिए पेरिस कन्वेंशन और बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार से संबंधित पहलुओं पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के समझौते (ट्रिप्स) के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। भारत में, उनके पंजीकरण और संरक्षण की देखरेख 1999 अधिनियम के तहत भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री द्वारा की जाती है। भारत ने वस्तुओं का भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 और 2002 में अधिसूचित संबद्ध नियमावली के माध्यम से विशिष्ट क्षेत्रों से जुड़े उत्पादों की सुरक्षा के लिए एक कानूनी ढांचा स्थापित किया है। यह ढांचा 2003 में चालू हो गया और जीआई पंजीकरण 2004-05 में शुरू हुआ। वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) नियमावली, 2002 को 2025 में संशोधित किया गया था।

स्वस्थ जीवन जीना चाहते हो, सुखी रहना हो, रोगी न होना हो, तो शुद्ध एवं शाकाहार करो : पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी के परम भक्त वैभव जैन बडामलहरा जी ने अवगत कराया की दिल्ली, ऋषभोदय में विराजित दिगम्बर जैन पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी गुरुदेव ने धर्म-सभा में सम्बोधन करते हुए कहा कि - जैन-धर्म अनादि सनातन है। दिगम्बर भ्रमण मुनियों ने अनादि से इसे सम्पुष्ट किया है। यह था, है और हमेशा रहेगा।

देखो, समझो, फिर निर्णय करो

जीवन में सुखी रहना चाहते हो, तो अधूरी बात सुनकर निर्णय नहीं करना। अचानक कोई दृश्य देखकर निर्णय नहीं करना। कभी-कभी देखा हुआ भी सत्य नहीं होता है। सुना हुआ भी सत्य नहीं होता है। पूर्वापर विचार करके ही निर्णय करना चाहिए। दुनिया में जितने भी अनर्थ हुए हैं, अनर्थ हो रहे हैं अधवा भविष्य में अनर्थ होंगे, वे मात्र भ्रम के कारण होते हैं। भ्रम से बचो, शंका शस्त्र के समान खतरनाक होती है। अच्छे से बात सुनो, देखो, चिंतन-मंथन करो, फिर निर्णय करो।

गिरो मन गिराओ मत

जीवन में आपको कोई पीड़ा कष्ट दे, तो आप उससे बदला मत लेना, उसे कर्म स्वयं ही देख लेगा। कर्म निष्पक्ष होता है। कर्म पक्षपात नहीं करता है। जो जैसा कर्म करेगा, उसका फल भी उसे भोगना पड़ेगा।

कषाय के वेग में, विपरीत परिस्थितियों में अपने आपको सँभालो। न गिरो और न ही किसी को नीचे गिराओ। किसी को गिराकर मत उठो, अपनी योग्यता से ऊपर उठो

शुद्धखाओ, शुद्ध भाषण करो

स्वस्थ जीवन जीना चाहते हो, सुखी रहना हो, रोगी न होना हो, तो शुद्ध एवं शाकाहार करो। आपके आहार (भोजन) पर ही आपका भाव होता है। भोजन से ही भाषण होता है। जैसा व्यक्ति भोजन करता है, वैसे ही उसके भाव और भाषण होता है।

जैसा खाओगे अन्न, वैसा होगा मन। जैसा पिओगे पानी, वैसी होगी वाणी। भोजन अनुसार ही विचार होते हैं। विचार और आचरण को पवित्र रखना चाहते हो, तो भोजन शुद्ध, सातविक व अल्प करो। उचित समय पर ग्रहण किया गया भोजन अमृत के समान हितकारी होता है, वहीं असमय में किया गया भोजन विष के समान कष्टकारी होता है। रोगों को बढ़ाने वाला एवं प्रमादकारी होता है। भोजन स्वाद, स्वच्छता, स्वस्थता, पवित्रता, उत्साह- उमंग युक्त होना चाहिए। मानव के लिए 'शाकाहार' ही सर्वोत्तम आहार है। शाकाहार ही मानवता की पहचान है।

संग्राम नहीं, समझौता करो

जीवन में शान्ति चाहिए तो संघर्ष करो, श्रम करो, पर संग्राम (युद्ध) मत करो। संग्राम श्रेष्ठ नहीं, समझौता करो। जीवन में अशान्ति के लिए एक रात्रु भी बहुत होता है। शत्रुता से बचो। शत्रुता से शत्रुता बढ़ती है, मित्रता से मित्रता बढ़ती है। समता भाव धारण करो। मैत्री भावना भाओ। क्षमा से ही सम्पूर्ण विश्व मैत्री के सूत्र में बंध सकता है। जियो और जीने दो। जीना हमारा अधिकार है, तो दूसरों को जीने देना भी हमारा कर्तव्य है। अधिकार मौगने के साथ-साथ, अपने कर्तव्यों का भी पालन करो।

कॉकरोच पार्टी से मिली बड़ी सीखः अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। परम पूज्य पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता गणाचार्य श्री पुष्पदंत सागर महाराज के सानिध्य में अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ पुष्पगिरी तीर्थ पर वर्षायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रुंखला में आज उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि। कभी-कभी जीवन की बड़ी सीख बड़े-बड़े उपदेशों से नहीं.. बल्कि छोटी-सी घटना से मिल जाती है..!

जीवन में इतना संघर्ष करो, इतना सक्षम बनो कि कभी तुम्हारे बच्चे असफ़ल हो जायें, तो उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए तुम्हें दूसरे बच्चे का उदाहरण ना देना पड़े। कोई भी देश य राष्ट्र अपने बच्चों की असफ़लता से नहीं गिरता, बल्कि राष्ट्र और देश तब असफ़ल होते हैं, जब बच्चे अपने नैतिक, व्यवहारिक और धार्मिक सदाचारों के मूल्यों को खो देते हैं।

यदि कोई युवा यह सोचता है कि मेरे दुर्व्यवहार से, दुराचार से, अपशब्दों की बौछार से, नफ़रत फैलाने से, मैं सफ़लताओं के शिखर पर पहुंच जाऊंगा, तो यह हमारे घर-परिवार और शिक्षा-संस्कारों की सबसे बड़ी असफ़लता है। हम अपने बच्चों को नैतिक, धार्मिक, व्यवहारिक, विनम्रतापूर्वक भारतीय संस्कृति के संस्कारों से अवगत करायें।

हम अपने बच्चों को नष्ट होती नैतिकता, गुम होते आदर्श, विलुप्त होती मानव-सेवा और लुप्त होती आगम [साहित्य] परम्परा का पाठ पढायें और संस्कार डालें।

जीवन की सफ़लता क्रोध की ऊंची आवाज से नहीं, बल्कि चरित्र और संयम के शिखर पर जाने से है।

हम अपने बच्चों के दिमाग में सफ़ल होने के लिए तीन बातें बतायें-

1. ऊंची सोच, 2. कड़ी मेहनत, 3. पक्का इरादा।

यहां बने रहने के लिए, फिर तीन बात -

1. थोड़ा सुनना सीखो, 2. थोड़ा सहना सीखो, 3. थोड़ा झुकना सीखो।

फिर कर लो दुनिया मुट्ठी में बन्द...! ऐसी जानकारी प्रचार प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ने दी है।

- पुष्पगिरी सोनकच्छ

मुनिश्री विशाल सागर जी ने 35 घंटे की अखण्ड साधना की

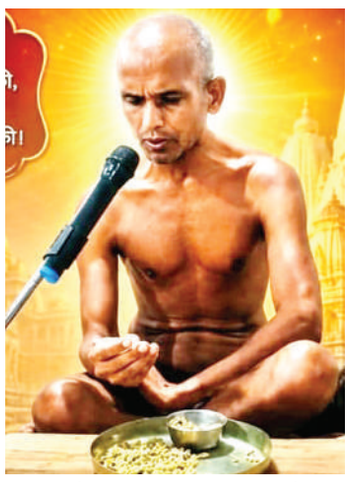

जयपुर (विश्व परिवार) श्री महावीर जिनालय चित्रकूट कालोनी सांगानेर जयपुर में चातुमर्मासरत परम पूज्य आचार्य श्री विशद सागर जी महाराज ससंघ सानिध्य में णमोकार विधान का 35 दिवसीय आयोजन चल रहा है। इसी दौरान संघस्थ मुनि श्री विशाल सागर जी महाराज ने णमोकार के 35 अक्षरों को लक्ष्य करके णमोकार महामन्त्र का चिन्तन करते हुए दिनांक 7 अगस्त शाम 7.30 बजे से 9 अगस्त प्रात: 6:30 बजे तक लगातार 35 घण्टे की कठोर काम क्लेश तप साधना की लगातार 35 घंटे एक ही स्थान जिनालय में बैठकर णमोकार का उच्चारण जप तप ध्यान साधना कर अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया। अब तक चित्रकूट में 20 दिन के प्रवास में 12 निर्जल उपवास एवं शेष दिनों में छेना पानी आदि अल्प आहार लिया। अनशन एवं उनोदर तप की भी साधना कर रहे हैं। चातुर्मास पूर्व पदमपुरा प्रवास में भी लगातार 40 घण्टे श्री पद्मप्रभु जिनालय में बैठकर साधना की थी। श्री पदमप्रभु जिनालय पदमपुरा की बाहर लगातार 10 घन्टे में 1008 परिक्रमा पूर्ण की। 27 सालू के साधनाकाल में 5353 व्रत, उपवासों की साधना कर चुके है।

चातुर्मास कलश स्थापना श्रद्धालुओं की आस्था का महापर्व बनी : निर्यापक श्रमण मुनि श्री समता सागर महाराज

कुंडलपुर (दमोह) (विश्व परिवार)। सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए निर्यापक श्रमण मुनि श्री समता सागर महाराज ने कहा कि चातुर्मास कलश स्थापना का यह भव्य समारोह किसी व्यक्तिगत प्रयास का परिणाम नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं की जागृत भक्ति, आस्था और बड़े बाबा के अतिशय का प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने केवल संपर्क और प्रेरणा का कार्य किया, लेकिन इतनी विशाल संख्या में श्रद्धालुओं का स्वत: उमड़ पड़ना उनकी अंत:करण से जागी धर्मभावना का परिणाम है।मुनिश्री ने कहा कि किसी व्यक्ति ने व्यक्तिगत रूप से लोगों को आमंत्रित नहीं किया, फिर भी देशभर से हजारों श्रद्धालु कुंडलपुर पहुंच गए। यह बड़े बाबा आदिनाथ भगवान की दिव्य प्रभावना और गुरुवर आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की तप-साधना का प्रताप है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की जागृत भावनाओं का पहला अद्भुत दृश्य उस समय देखने को मिला जब मंगल आगमन के अवसर पर संपूर्ण कुंडलपुर एक विशाल धर्मनगरी के रूप में दिखाई दे रहा था। इसके बाद महा-महा मंगल कलश स्थापना समारोह में उमड़ा जनसैलाब इस दिव्य प्रभाव का दूसरा ऐतिहासिक प्रमाण बन गया। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता ने चातुर्मास कलश स्थापना को केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहने दिया, बल्कि इसे आस्था, श्रद्धा और समर्पण के राष्ट्रीय महापर्व का स्वरूप प्रदान कर दिया। प्रत्येक श्रद्धालु के मन में धर्म, गुरु और बड़े बाबा के प्रति जो भाव जागृत हुए, वही इस समारोह की वास्तविक सफ़लता है। मुनिश्री ने कहा कि मुनियों का उद्देश्य केवल साधना, स्वाध्याय और आत्मकल्याण है। समाज जब ऐसे आयोजनों में सहभागी बनता है तो उसे धर्म से जुड़ने, प्रेरणा लेने और अपने जीवन में आध्यात्मिक परिवर्तन लाने का अवसर प्राप्त होता है। यही कारण है कि कुंडलपुर में आयोजित यह चातुर्मास कलश स्थापना समारोह पूरे देश में चर्चा और प्रेरणा का विषय बन गया।

जीवन का उपहार अंगदान कार्यक्रम में गायत्री विद्या मंदिर के बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। उदयाचल के तत्वावधान में आयोजित जीवन का उपहार अंगदान जागरूकता कार्यक्रम में गायत्री विद्या मंदिर (हिन्दी माध्यम) के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों ने रंगोली, चित्रकला, कविता, भाषण के माध्यम से लोगों में जागरूकता फैलाने का सराहनीय कार्यक्रम किये और अनेक पुरस्कार बटोर कर विद्यालय और माता-पिता को गौरवान्वित किया। जूनियर वर्ग में ओजस्वनी यादव ने कविता की शानदार प्रस्तुति देकर खूब तालियाँ बटोरी और प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अंगदान को रंगोली के सात रंग में उकेरकर साक्षी साहू प्रथम, एस रश्मि ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला में तुशिता प्रथम, सीनियर वर्ग रंगोली में कशिश चंदेल और अंजलि साहू द्वितीय स्थान प्राप्त किये। भाषण में हितेश तिवारी ने बाजी मारी। उदयाचल आयोजन समिति द्वारा विजेता बच्चों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष बृजकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष संध्यादेवी सिंघल, कोषाध्यक्ष सूर्यकांत चितलांग्या, संरक्षक नंदकिशोर सुरजन, सुषमा सुरजन, सास्कृतिक प्रभारी हरीश गांधी, रूपाली गाँधी, डायरेक्टर अमित उत्तलवार, प्राचार्य सीमा श्रीवास्तव, उप प्राचार्य तामेश्वरी साहू एवं समस्त शिक्षकगणों ने विजेता बच्चों को बधाई दी।

एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टरों के स्टाइपेंड में वृद्धि करे सरकार : अभाविप

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में एमबीबीएस इंटर्न (प्रशिक्षु) डॉक्टरों द्वारा स्टाइपेंड में वृद्धि की मांग को लेकर शुरू की गई अनिश्चितकालीन हड़ताल को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने अपना समर्थन दिया है। प्रदेश के विभिन्न शासकीय मेडिकल कॉलेजों (चिकित्सा महाविद्यालयों) के इंटर्न डॉक्टर अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि वर्तमान स्टाइपेंड उनकी जिम्मेदारियों, कार्यभार एवं अन्य राज्यों में दिए जा रहे स्टाइपेंड की तुलना में काफी कम है।

इंटर्न डॉक्टरों द्वारा रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, सिम्स (छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान) बिलासपुर, रायगढ़ सहित प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में विरोध दर्ज कराया जा रहा है। पिछले कई दिनों से डॉक्टर काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे थे। समाधान नहीं होने के बाद अब उन्होंने अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया है।

अभाविप का कहना है कि चिकित्सा शिक्षा पूरी करने के बाद इंटर्न डॉक्टरों से अस्पतालों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई जाती हैं। उन्हें उनके कार्य, जिम्मेदारी और प्रशिक्षण की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए अन्य राज्यों के अनुरूप एक सम्मानजनक एवं उचित स्टाइपेंड मिलना चाहिए।

अभाविप प्रदेश मंत्री अनंत सोनी ने कहा 'एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टर केवल प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थी नहीं हैं, बल्कि वे अस्पतालों की स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे कठिन परिस्थितियों में भी मरीजों की सेवा और चिकित्सकीय दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करते हैं। वर्तमान स्टाइपेंड उनकी जिम्मेदारियों और कार्यभार के अनुरूप नहीं है। अभाविप इंटर्न डॉक्टरों की जायज मांग का पूर्ण समर्थन करती है और सरकार से मांग करती है कि अन्य राज्यों में दिए जा रहे स्टाइपेंड का अध्ययन करते हुए छत्तीसगढ़ में भी इंटर्न डॉक्टरों को सम्मानजनक एवं उचित स्टाइपेंड प्रदान किया जाए।

श्रमण सुव्रत सागर जी द्वारा संपादित ग्रंथ भक्तामर का विमोचन

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। प पू आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के आशीर्वाद व प पू श्रमण सुव्रत सागर जी द्वारा संपादित ग्रंथ भक्तामर और भारतीय चित्रांकन लेखन श्री एन पी उपाध्याय व पूण्यार्जक टी के मंजु वेद व महेन्द्र जी लुहाडिया, प्रकाशन श्रमण संस्कृति सेवा ट्रस्ट का विमोचन भव्य एवं गरिमा मय कार्यक्रम में श्री पवन जी गोधा दिल्ली, श्री शरद जी कासलीवाल महासभा पदाधिकारी श्री शरद जी जैन महालक्ष्मी चेनल ,श्री देवेंद्र सिंघई वास्तुविद श्री केदार जैन ग्वालियर एवं आचार्य श्री जी के सान्निध्य मे ऋषभ विहार दिल्ली मे सम्पन्न हुआ।

सभी स्वाध्याय प्रेमियों के लिये ग्रंथ नि:शुल्क उपलब्ध है इस दिन आचार्य श्री जी का पूरा प्रवचन ग्रंथ की विषय वस्तु पर केंद्रित रहा। सनातन संस्कृति के विद्वान द्वारा रचित ग्रन्थ भक्तामर शोध कर्ताओं के लिये एक अमूल्य धरोहर सिद्ध होगा।

बस्तर में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियाँ, 10 से 15 अगस्त तक गूंजेगा 'जय हिंद' और तिरंगा यात्रा

जगदलपुर (विश्व परिवार)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बस्तर जिले में राष्ट्रभक्ति और जन-जागरूकता की एक अभूतपूर्व लहर देखने को मिलेगी, इस दिशा में कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल, संकुल एवं विकासखण्ड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाने हेतु व्यापक तैयारी कर ली गई है। 10 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक विद्यालय, संकुल, विकासखंड तथा ग्राम पंचायत स्तर पर विविध देशभक्ति कार्यक्रमों एवं तिरंगा यात्राओं का एक वृहद रूपरेखा तैयार किया गया है। इस छह दिवसीय विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता से आम नागरिकों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता तथा अमर शहीदों के प्रति सम्मान की भावना को और प्रगाढ़ बनाना है।

देश की आज़ादी से जुड़ी इस भव्य आयोजन का आगाज़ 10 अगस्त को विद्यालय स्तर पर देशभक्ति थीम पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिताओं के साथ होगा, जहाँ छात्र-छात्राएं अपनी कला के माध्यम से राष्ट्रीय प्रतीकों को उकेरेंगे और इसके तुरंत बाद विद्यालय स्तर पर तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इसके अगले दिन यानी 11 अगस्त को संकुल स्तर पर विद्यार्थियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा साइकिलों से देशभक्ति के नारे लगाते हुए एक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जो पूरे क्षेत्र को राष्ट्रभक्ति के रंगों से सराबोर कर देगी। 12 अगस्त को यह यात्रा और बड़े पैमाने पर पहुंचेगी, जहाँ संकुल स्तर से लेकर विकासखंड मुख्यालय तक स्कूली छात्र-छात्राएं अनुशासित पंक्तियों में तिरंगा ध्वज थामे पदयात्रा करेंगे।

इस बारे में जिला शिक्षा अधिकारी श्री बीआर बघेल ने बताया कि उक्त आयोजन के क्रम को आगे बढ़ाते हुए 13 अगस्त को विकासखंड स्तरीय भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन होगा, जो विकासखंड मुख्यालय से निकलकर क्षेत्र के किसी विशेष शहीद स्मारक तक पहुंचेगी।

तीर्थंकर नाम कर्म प्रकृति का बंध आहार दान देने से होता है : मुनि श्री हितेंद्र सागर जी

■ सीकर में होगी 7 दीक्षा

सीकर (विश्व परिवार)। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी संघ सहित पारस भवन दंग की नसिया बजाज रोड सीकर में विराजित हैआचार्य वर्धमान सागर धर्म वात्सल्य वर्षायोग चातुर्मास समितिश्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर बीस पंथ आम्नाय प्रबंध समिति द्वारा सकल दिगम्बर जैन समाज सीकर के सहयोग से राजकीय अतिथि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज द्वाराआगामी 19 अगस्त को सात सप्त ऋषियों को जैनेश्वरी दीक्षा दंग की नसिया पारस नाथ भवन परिसर सीकर में प्रदान की जावेगी।पूर्व से दीक्षित क्षुल्लक श्री प्राप्ति सागर जी एवं श्री प्रतिज्ञा सागर जी मुनि, एवं क्षुल्लिका श्री प्रदीप्त मति जी द्वारा आर्यिका दीक्षा ग्रहण की जावेगी। प्रतिमा धारी अणुवृत्ति श्री नव रत्न पाटनी जयपुर, श्री महावीर जैन बनेठा, श्री शकुंतला देवी कोठिया एवं श्री मनोरमा जैन सनावद को आचार्य श्री सिद्ध हस्त कर कमलों से दीक्षा प्रदान करेंगे

इस अवसर पर 3 दिवसीय कार्यक्रम में अनेक धार्मिक अनुष्ठान होगे।आचार्य श्री धर्म सागर सभागृह में मुनिश्री हितेन्द्र सागर जी ने बताया कि भगवान से यही प्रार्थना करना चाहिए कि मेरे दुख कर्म नष्ट हो मुझे बोधी ,समाधि ,ज्ञान मिले भगवान के गुण मुझे प्राप्त हो धार्मिक कार्य श्रद्धा विश्वास आस्था से करना चाहिए श्रद्धा मजबूत होना चाहिए दूषित या मैली नहीं होना चाहिए त्रिलोकी नाथ की कृपा से सब कार्य होते हैं इसके लिए मन वचन काय से भक्ति एकाग्रतापूर्वक करना चाहिए धार्मिक उदाहरण में बताया कि चंदना ने महामुनिराज महावीर स्वामी का पड़गाहन किया तो अतिशय से रुखा सुखा भोजन भी व्यंजनों से परिपूरित हो गया। जैसा भगवान चर्या करते थे,आशीर्वाद देते हैं वैसा ही आचार्य श्री वर्धमान सागर जी चतुर्थ कालीन चर्या निभाकर आशीर्वाद देते हैं। अशुद्ध भोजन अशुद्ध पानी से शरीर रोगी होता है शुद्ध भोजन से शरीर स्वस्थ रहता है डा राजेश पंचोलिया के अनुसार मुनि श्री ने आगे बताया कि पानी की बूंद जब सीप में गिरती है तो वह मोती बन जाता है ,सर्प के मुंह में जाने से विष बन जाता है भगवान का अभिषेक जल डालने से वह पावन गंधोंधक बन जाता है। इसीलिए कहा गया है जैसा पियो पानी, वैसे निकले वाणी। आचार्य श्री के कमंडल का पानी भी औषधि समान है सभी को खान-पान वेशभूषा में जैन कुल की मर्यादा नहीं भूलना चाहिए तीर्थंकर प्रकृति का बंध आहार दान से होता है ।श्रीकृष्ण भगवान ने आहार दान दिया तो उन्होंने तीर्थंकर प्रकृति का बंध किया।आहार दान से अनेक लक्ष्मी प्राप्त होती है, दुर्लभ से दुर्लभ वस्तु भी मिलतीहै।

नागपुर प्रांतीय दिगंबर जैन खंडेलवाल सभा की बैठक संपन्न

■ 456 गांवों के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा, नए पदाधिकारियों का हुआ गठन

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री नागपुर प्रांतीय दिगंबर जैन खंडेलवाल सभा की महत्वपूर्ण बैठक वैशाली नगर स्थित खंडेलवाल भवन में आयोजित हुई। बैठक में नागपुर प्रांतीय क्षेत्र के लगभग 456 गांवों से प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अतिथियों एवं प्रतिनिधियों का शानदार आतिथ्य एवं स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं णमोकार मंत्र के साथ हुआ। इस अवसर पर नागपुर पंचायत के दिवंगत महानुभावों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया।

सभा के दौरान नए पदाधिकारियों एवं संयोजक मंडल का गठन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष मनोज पहाड़िया ने सभा के समक्ष आगामी कार्यक्रमों एवं संगठन की भावी गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। समिति के पदाधिकारियों ने सभी प्रतिनिधियों का तिलक लगाकर एवं दुपट्टा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया।

सभा का संचालन प्रांतीय सभा के कैलाश जैन, महावीर जैन एवं देवेंद्र जैन तथा अरविंद जैन ने किया। कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा मनोहारी मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया, वहीं बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। महिला प्रकोष्ठ एवं उपस्थित सभी प्रतिनिधियों का भी अभिवादन किया गया।

संयोजक मंडल में भिलाई से प्रदीप जैन बाकलीवाल, राकेश जैन, प्रवीण छाबड़ा, विमल शाह, अशोक नेगोटिया, संजीव जैन, सतीश जैन एवं निर्मल जैन सहित छिंदवाड़ा से पंकज जैन, राजकुमार जैन, प्रफुल्ल जैन, प्रमोद जैन, अरुण बोहरा एवं संजय बोहरा शामिल रहे।

नि :शुल्क सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत छात्राओं को वितरित की गई सायकल

नारायणपुर। बालक उ.मा.वि. में छत्तीसगढ़ शासन की निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत पात्र छात्राओं को निःशुल्क सायकल वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इन्द्रप्रसाद बघेल, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, विशिष्ट अतिथि प्रताप सिंह मंडावी, उपाध्यक्ष, जिला पंचायत तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद कोरी ने की। विद्यालय के प्राचार्य मनोज बागड़े ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि सरस्वती सायकल योजना बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने, उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में शासन की एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्य अतिथि इन्द्रप्रसाद बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने की एक सराहनीय योजना है। उन्होंने कहा कि सायकल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, जिससे उनकी पढ़ाई निरंतर जारी रहेगी और वे आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगी। विशिष्ट अतिथि प्रताप सिंह मंडावी ने कहा कि विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की छात्राओं के लिए यह योजना अत्यंत लाभकारी है। इससे शिक्षा तक उनकी पहुँच आसान होगी तथा वे बिना किसी कठिनाई के नियमित रूप से विद्यालय आ सकेंगी। अनिल खोब्रागढ़े, पूर्व सदस्य, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ शासन ने कहा कि शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने छात्राओं से परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ अध्ययन कर अपने भविष्य को संवारने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे लक्ष्मी प्रसाद कोरी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्राओं से शिक्षा को जीवन का आधार बनाते हुए उपलब्ध अवसरों का सदुपयोग करने तथा निरंतर अध्ययन के माध्यम से अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्याम सुंदर रैदास, उपसंचालक समाज कल्याण, हेमंत कुमार पात्र, पार्षद वार्ड क्रमांक 15, महादेवी यादव, उपाध्यक्ष, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति तथा समिति के सदस्यों ने भी अपने उदबोधन में छात्राओं को सायकल योजना का भरपूर लाभ उठाते हुए नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर अध्ययन करने, अनुशासन का पालन करने तथा शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। सायकल प्राप्त कर छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। सरस्वती नेताम, गोपी पोटाई, भागवती वड्डे सहित अन्य छात्राओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं माननीय शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के प्रति आभार व्यक्त किये। छात्राओं ने कहा कि सायकल मिलने से विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी और वे नियमित रूप से अध्ययन कर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएँगी।

बस्तर विश्वविद्यालय में हुए भर्ती प्रक्रिया को लेकर राज्यपाल के नाम कुलपति के खिलाफ की गई शिकायत व उच्च स्तरीय जांच की जाए : चमन साहू

कांकेर। बस्तर संभाग के शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर में वर्ष 2025 में संपन्न एवं वर्ष 2026 में प्रयाधीन शैक्षणिक पदों की भर्ती प्रक्रिया अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच तथा निष्पक्ष भर्ती सुनिश्चित किया जाए एनएसयूआई पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष छात्र नेता चमन साहू ने बतलाया कि शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, जगदलपुर द्वारा वर्ष 2025 में विभिन्न विषयों के अंतर्गत प्रोफेसर, सह-प्रोफेसर एवं सहायक प्रोफेसर के पदों पर की गई नियुक्तियों तथा वर्तमान वर्ष 2026 में संचालित भर्ती प्रक्रिया के संबंध में अनेक गंभीर अनियमितताओं की गई है। इन शिकायतों के संबंध में पूर्व में भी अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए गए थे, किंतु अब तक किसी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच के परिणाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। साहू ने बतलाया कि रोस्टर एवं आरक्षण नियमों के पालन की जांच की जाए भर्ती प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ शासन के प्रचलित आरक्षण रोस्टर एवं विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत रोस्टर के पालन को लेकर गंभीर आपत्तियां सामने आई हैं। अतः प्रत्येक विषय का स्वीकृत रोस्टर, विज्ञापित पदों का वर्गवार विवरण तथा चयनित अभ्यर्थियों का वर्गवार रिकॉर्ड सार्वजनिक कर सत्यापन कराया जाए GC Regulations के अनुरूप चयन प्रक्रिया की जांच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रचलित नियमों के अनुसार चयन समिति की संरचना एवं आवश्यक विशेषज्ञों की उपस्थिति अनिवार्य है। शिकायत है कि कुछ विषयों में चयन समिति का आवश्यक कोरम पूर्ण नहीं था। अतः प्रत्येक विषय की चयन समिति, उपस्थिति पंजी, कार्यवाही विवरण एवं विशेषज्ञों की नियुक्ति संबंधी अभिलेखों की जांच कराई जाए। साहू ने कह कि मेरिट एवं मूल्यांकन प्रक्रिया की जांच अनेक अभ्यर्थियों द्वारा यह शिकायत की गई है कि उच्च शैक्षणिक योग्यता एवं शोध उपलब्धियां रखने वाले अभ्यर्थियों को "Not Found Suitable" घोषित किया गया, जबकि अन्य अभ्यर्थियों का चयन किया गया। अतः सभी अभ्यर्थियों के API Score, Screening Score, Interview Marks तथा अंतिम मेरिट सूची सार्वजनिक कर स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति से परीक्षण कराया जाए। पदों के उन्नयन एवं प्रशासनिक स्वीकृति की जाए यदि किसी तृतीय श्रेणी पद को द्वितीय श्रेणी अथवा अन्य श्रेणी में परिवर्तित किया गया हो तो उसके संबंध में सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति, शासनादेश एवं वित्त विभाग की अनुमति का परीक्षण कराया जाए। चमन साहू पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष चमन साहू ने कहा कि चयन सूची सार्वजनिक न किए जाने की जांच वर्ष 2025 की भर्ती प्रक्रिया में अंतिम चयन सूची एवं संपूर्ण मूल्यांकन प्रक्रिया पर्याप्त पारदर्शिता के साथ सार्वजनिक नहीं की गई। यदि ऐसा हुआ है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित की जाए। वर्ष 2026 की दावा-आपत्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव वर्तमान भर्ती प्रयिा में दावा-आपत्ति हेतु केवल Application ID प्रकाशित की गई है।

नकली सोने का हार असली बताकर ग्रामीण से 10 हजार की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। थाना नगरनार क्षेत्र में नकली सोने के हार को असली बताकर ग्रामीण से 10 हजार रुपये की ठगी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से ठगी की रकम समेत नकली सोने की तीन मालाएं और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, मंगनपुर निवासी लिंगेश्वर सेठिया ने थाना नगरनार में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 6 अगस्त की सुबह करीब 8 बजे वह काम से जगदलपुर जाने के लिए घर से निकल रहा था। इसी दौरान दो व्यक्ति उसके घर पहुंचे। इनमें से एक ने अपना नाम मोहन लाल सोलंकी निवासी भिलाई-दुर्ग बताया और पैसों की जरूरत बताते हुए करीब पांच लाख रुपये कीमत का सोने का हार होने की बात कही।आरोपी ने हार दिखाकर ग्रामीण से 10 हजार रुपये तत्काल देने की मांग की और शेष राशि अगले दिन देने की बात कही। ग्रामीण ने 10 हजार रुपये देकर हार अपने पास रख लिया। बाद में जब उसने हार को सोनार की दुकान पर जांच कराया तो वह असली सोना नहीं, बल्कि पीतल मिश्रित नकली हार निकला। इसके बाद पीड़ित ने नगरनार थाने में शिकायत दर्ज कराई। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 117/2026, धारा 318(4), 35 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस टीम ने तलाश के बाद मोहन लाल सोलंकी (52) निवासी नेहरू चौक, चरौदा, थाना भिलाई-3, जिला दुर्ग और मोहन राय (52) निवासी हथनीपारा वार्ड, भाटापारा, जिला बलौदाबाजार को गिरफ्तार किया।पूछताछ में आरोपियों द्वारा अपराध करना स्वीकार किए जाने की बात पुलिस ने कही है। आरोपियों के कब्जे से 4,950 रुपये नकद, तीन नग नकली सोने की माला (कुल वजन 342.190 ग्राम) और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर के दिशा-निर्देशन तथा नगर पुलिस अधीक्षक सुमीत कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक विकेश तिवारी के नेतृत्व में की गई। मामले की कार्रवाई में निरीक्षक विकेश तिवारी, पीएसआई दीपक सिंह ठाकुर, सउनि दिनेश ठाकुर, आरक्षक विक्रम उरांव, सुरेन्द्र तिर्की, अशोक सिंह, डीएसएफ आरक्षक भास्कर भारद्वाज एवं कार्तिक नाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों में जुटा प्रशासन, कलेक्टर ने स्टेडियम पहुंचकर देखी व्यवस्थाएं

अधिकारियों को समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश

बीजापुर। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला मुख्यालय के इंदिरा मिनी स्टेडियम में होने वाले मुख्य समारोह की व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर विश्वदीप ने शुक्रवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर चल रही तैयारियों को देखा और संबंधित अधिकारियों से अब तक की व्यवस्था की जानकारी ली। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय पर्व के आयोजन में किसी तरह की अव्यवस्था या कमी नहीं रहनी चाहिए, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय से निर्धारित समय में तैयारियां पूरी करें।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मुख्य मंच की व्यवस्था, अतिथियों एवं आमंत्रितों के लिए बैठक व्यवस्था, परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा इंतजाम, विद्युत व्यवस्था और पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों को समय-सीमा में पूरा करने के साथ तैयारियों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए।

हर व्यवस्था पर रहेगी नजर- कलेक्टर विश्वदीप ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस जिला मुख्यालय का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व है। समारोह में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक शामिल होते हैं। ऐसे में कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित और बेहतर होना जरूरी है।

उन्होंने विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने तथा अंतिम समय में किसी तरह की परेशानी से बचने के लिए सभी तैयारियां पहले से पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत की सीईओ नम्रता चौबे,एसडीएम जागेश्वर कौशल,डीईओ राजेश पांडेय सहित जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों की समस्याओं पर श्रम पदाधिकारी के साथ हुई बैठक कई मुद्दों पर हुआ निर्णय

कांकेर। कांकेर नगर पालिका के प्लेसमेंट कर्मचारियों के विभिन्न समस्याओं को लेकर कल श्रम पदाधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, अलर्ट सिक्युरिटी ब्यूरो के मालिक एवं यूनियन के साथ श्रम विभाग के दफ्तर में बैठक हुई। बैठक की जानकारी देते हुए यूनियन के इकाई महासचिव दिलीप साहू ने बताया कि कर्मचारियों का वेतन भुगतान निर्धारित निश्चित समय पर नहीं होना, साप्ताहिक अवकाश नहीं मिलना, अतिरिक्त कार्य का ओवरटाइम न मिलना, ई एसआई कार्ड के सभी त्रुटियों को नहीं सुधारना, सलाना बोनस भुगतान की मांगों पर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान यूनियन के प्रतिनिधियो ने अपना मांग किया कि श्रम कानून के तहत प्रत्येक माह के 7 तारीख तक समय पर वेतन भुगतान निश्चित किया जाए अन्यथा विलंब की स्थिति में श्रम कानून के मजदूरी भुगतान अधिनियम के तहत प्रतिकर के साथ भुगतान किया जाए। इसके साथ इस मांग को भी रखा कि साप्ताहिक अवकाश के बदले कार्य के दिवस का ओवरटाइम की राशि भुगतान किया जाए, ई एसआई कार्ड के सभी त्रुटियों को सुधार कर अविलंब सुधार कर वितरित किया जाए।

कोयाबाना आदिवासी संस्कृति संवर्धन संस्थान : विरासत से भविष्य तक की नई पहल-विश्व आदिवासी दिवस पर विशेष

संग्रहालय से आगे बढ़कर भाषा, संस्कृति, शोध और सामुदायिक रेडियो का बनेगा केंद्र

गोंडी भाषा सीख रहे 40 बच्चे, प्रतिदिन 20–25 लोग पहुंच रहे कोयाबाना

कांकेर। कांकेर 9 अगस्त 2026 विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर उत्तर बस्तर कांकेर जिले की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा, लोककला, भाषा और विरासत को संरक्षित करने तथा आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की दिशा में 'कोयाबाना आदिवासी संस्कृति संवर्धन संस्थान' एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभर रहा है। जिला प्रशासन के सौजन्य से विकसित की जा रही यह पहल केवल एक संग्रहालय तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे कांकेर की सांस्कृतिक पहचान, इतिहास, भाषा और लोकज्ञान के जीवंत केंद्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई है। कांकेर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ समृद्ध आदिवासी जीवनशैली, लोकगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण, कृषि परंपराओं, हस्तशिल्प, लोककथाओं और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की अनूठी संस्कृति के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। कोयाबाना इसी अमूल्य सांस्कृतिक विरासत को व्यवस्थित रूप से संजोने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास है। 40 बच्चे सीख रहे गोंडी भाषा कोयाबाना की प्रमुख गतिविधियों में गोंडी भाषा शिक्षण विशेष आकर्षण का केंद्र है। वर्तमान में लगभग 40 बच्चे नियमित रूप से गोंडी भाषा सीख रहे हैं। इसके माध्यम से बच्चों को अपनी भाषा, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं कोयाबाना की गतिविधियों और प्रदर्शित विरासत को देखने के लिए प्रतिदिन लगभग 20 से 25 लोग पहुंच रहे हैं। विद्यार्थियों, युवाओं, स्थानीय नागरिकों और अन्य आगंतुकों की बढ़ती रुचि इसे एक जीवंत सांस्कृतिक केंद्र का स्वरूप दे रही है। विरासत के विविध रूपों का संरक्षण कोयाबाना में कांकेर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को विभिन्न आयामों में प्रस्तुत किया जा रहा है। यहां ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत, आदिवासी जीवनशैली, पारंपरिक वस्त्र एवं आभूषण, कृषि उपकरण, लोककला एवं हस्तशिल्प, पारंपरिक आवास और जीवन पद्धति, ऐतिहासिक स्थलों की फोटो गैलरी, गोंडी भाषा तथा स्थानीय लोकज्ञान को व्यवस्थित रूप से प्रदर्शित एवं संरक्षित करने का कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन की सामूहिक सोच का परिणाम कलेक्टर उत्तर बस्तर कांकेर के मार्गदर्शन में कोयाबाना को महज प्रदर्शनी स्थल न बनाकर जिले की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने वाले जीवंत संस्थान के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

प्रोजेक्ट पुनर्जीवन अंतर्गत पेडों के चारों ओर लगाये गये 1622 ट्री गार्ड, 362 स्थानों पर कांक्रीट के घेरों पेवर को हटाने का किया कार्य

रायपुर। रायपुर जिला प्रशासन के जनप्रिय पर्यावरण हितकारी प्रोजेक्ट पुनर्जीवन की अभिनव योजना के अंतर्गत पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका द्वारा पर्यावरण संरक्षण कार्य को लेकर व्यक्त की गई गहन चिता के तत्काल पश्चात से रायपुर जिला क्षेत्र अतर्गत सभी 10 जोन कमिश्नरों द्वारा सतत मॉनिटरिंग कर प्रतिदिन नियमित अपने-अपने जोन क्षेत्र के सभी वार्डो में ऐसे सभी पौधों को चिन्हित करने का कार्य किया गया, जो पूर्व में चारों ओर से ट्री गार्ड एवं कांक्रीट के घेरों पेवर में घिरे हुए होने के कारण प्राकृतिक रूप से विकसित नहीं हो पा रहे थे। ऐसे समस्त पौधों को चिन्हित करके प्राकृतिक रूप से स्वतः विकसित होने एवं स्वयं मिट्टी, पानी प्राप्त करने पर्यावरण हितैषी वातावरण देने इन सभी पौधों को चारों ओर से घेरकर लगाये गये ट्री गार्ड और कांक्रीट के घेरों पेवर को हटाने का कार्य रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के अंतर्गत सभी 10 जोनों में निरन्तरता के साथ तेज गति से समाजहित में पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से करवाया गया। विभिन्न जोनों के भिन्न क्षेत्रों के स्थानों में इन सभी चिन्हित पौधों को समाज हित में पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से चारों ओर कॉंक्रीट के घेरे पेवर लगाकर लगाए गए लगभग 1622 ट्री गार्ड और लगभग 362 कांकीट के घेरों पेवर को समस्त जोन कमिश्नरों द्वारा वहां पहुंचकर हटवाये जाने का कार्य तेजी के साथ करवाया एवं सभी जोन कमिश्नर अपने जोन क्षेत्र में ऐसे सभी पौधों को स्वतः विकसित होने पानी प्राप्त कर सकने आवश्यक पर्यावरण हितैषी वातावरण कायम करने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया गया। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त संबित मिश्रा ने उक्त कार्य को पहली प्राथमिकता में रखकर करवाने सभी जोन कमिश्नरो समाजहित में पर्यावरण संरक्षण कार्य हेतु स्पष्ट निर्देशित किया। रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने राजधानी रायपुर शहर क्षेत्र के समस्त रहवासी नागरिको से रायपुर जिला प्रशासन की ओर से विनम्र अपील की कि वे ऐसे सभी पौधों को आवश्यक पानी खाद आदि देकर विकसित करने में सहभागी बनकर अपनी सक्रिय सहभागिता को दर्ज करवाने का कष्ट करें। ऐसा करने वाले सभी पर्यावरण प्रेमी नगरवासियों को पर्यावरण मित्र के रूप में रायपुर जिला प्रशासन के तत्त्ववधान में पर्यावरण हितैषी प्रोजेक्ट पुनर्जीवन योजना के अंतर्गत समाज में उनके द्वारा पर्यावरण हितकारी योगदान देने हेतु सम्मानित किया जायेगा। रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोन कमिश्नरों द्वारा करवाये जा रहे उक्त पर्यावरणहितैषी कार्यो की रायपुर नगर पालिक निगम आयुक्त संबित मिश्रा द्वारा स्वतः नियमित मॉनिटरिंग और कार्य की प्रगति की सतत समीक्षा रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर की गयी।

नशा मुक्ति और यातायात सुरक्षा पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

किरंदुल। किरंदुल पुलिस एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरंदुल के संयुक्त तत्वावधान में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक कक्षा के विद्यार्थियों के लिए निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता का विषय नशा मुक्ति रखा गया था, जिसमें 38 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। चित्रकला प्रतियोगिता का विषय यातायात जागरूकता एवं सुरक्षा था, जिसमें 40 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उददेश्य विद्यार्थियों में नशा मुक्ति एवं यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना था। निबंध प्रतियोगिता में हायर सेकेंडरी वर्ग प्रथमः कु. शशिकला, कक्षा 12वीं, माध्यमिक वर्ग प्रथमः रवि कड़ती, कक्षा 8वीं, चित्रकला प्रतियोगिताः हायर सेकेंडरी वर्ग प्रथमः कु. कावेरी, माध्यमिक वर्ग प्रथमः मुकेश बारसे रहे। प्रतियोगिता के उपरांत सभी प्रतिभागियों को सहभागिता एवं उत्साहवर्धन हेतु पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही उन्हें सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में किरंदुल थाना प्रभारी एवं पुलिस स्टाफ तथा विद्यालय की प्राचार्या एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, मंगलवार 11 अगस्त 2026

माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से भोरमदेव तक भावना बोहरा की कांवड़ पदयात्रा शुरू

- 151 किमी यात्रा में 600 से अधिक कांवड़ियों ने की सहभागिता
- प्रथम दिन लमनी से अमरकंटक तक होगी कांवड़ पदयात्रा

कवर्धा (विश्व परिवार)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने सावन माह के द्वितीय सोमवार को पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित माँ नर्मदा मंदिर में माँ नर्मदा एवं नर्मदेश्वर महादेव की विधिवत पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली एवं निरंतर प्रगति की कामना की। इसके पश्चात उन्होंने अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक 151 किलोमीटर की पावन कांवड़ यात्रा की शुरुआत की जिसमें 600 से अधिक कांवड़ यात्रियों के साथ ही भावना बोहरा के प्रयासों से अपने मूल धर्म में वापसी करने वाले वनांचल क्षेत्र के 15 बैगा आदिवासी समाज के लोग भी उनकी इस यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान माँ नर्मदा और भगवान भोलेनाथ के जयघोष, 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के नारों से अमरकंटक का वातावरण भक्तिमय हो उठा। विदित हो कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा 10 अगस्त से 16 अगस्त तक माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक कांवड़ पदयात्रा आज शुरू हुई जो जलेश्वर महादेव डोंगरिया एवं भोरमदेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के साथ सम्पन्न होगी। उनकी इस यात्रा के शुरुआत के अवसर पर हजारों की संख्या में कांवड़ यात्रियों, श्रद्धालुओं एवं शिवभक्तों का अमरकंटक में आगमन हुआ जहाँ सभी ने उन्हें यात्रा के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ कांवड़ यात्रियों ने अमरकंटक से भोरमदेव की ओर अपनी यात्रा प्रारंभ की। घने जंगलों, दुर्गम पगडंडियों, बीहड़ रास्तों और प्राकृतिक सुन्दरता के बीच पूरी उर्जा और उत्साह के साथ यात्रा आगे बढ़ी और प्रथम दिन माँ नर्मदा मंदिर,अमरकंटक से प्रारंभ होकर यह यात्रा गणेश मंदिर पहाड़, आमडोल, और खपरा खोल होते हुए लमनी तक होगी।

कांवड़ यात्रा के शुभारंभ से पूर्व रविवार को विधायक भावना बोहरा ने मेला मैदान (डोम), नया नगर पालिका परिसर, अमरकंटक में कबीरधाम जिले से पहुंचे कांवड़ यात्रियों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने श्रद्धालुओं को स्वयं भोजन परोसकर सेवा की तथा भजन संध्या में शामिल होकर भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालुओं के साथ समय बिताया।

10 अगस्त को कांवड़ यात्रा के शुभारंभ अवसर पर भावना बोहरा के साथ कबीरधाम जिले से आए हजारों की संख्या में कांवड़ यात्रियों, पंडरिया विधानसभा के भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ कार्यकर्ता, समाज प्रमुख, भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी-कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने माँ नर्मदा मंदिर में पूजा-अर्चना की और यात्रा की सफलता के लिए मंगलकामनाएं कीं।

महिला व बाल विकास विभाग में सेवानिवृत्ति प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के सख्त निर्देश

- वानिवृत्ति के दिन ही मिले सभी स्वत्व देयक और सम्मानजनक विदाई : लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने विभागीय प्रशासन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सेवानिवृत्ति प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि शासन की लंबी सेवा देने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी सेवानिवृत्ति के समय किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कठिनाई का सामना न करें, यह विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रमुख सचिव, संचालक समाज कल्याण तथा संचालक महिला एवं बाल विकास को निर्देशित किया है कि विभाग से सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रकरणों की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेवानिवृत्ति आदेश, पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण और अन्य सभी देय स्वत्व देयकों का निराकरण सेवानिवृत्ति तिथि से पूर्व पूर्ण कर लिया जाए, ताकि संबंधित कर्मचारी को उसके सेवानिवृत्ति दिवस पर ही सभी आदेश और भुगतान उपलब्ध हो सकें।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्राय: यह देखा गया है कि कई बार न मांग न जांच प्रमाण पत्र, सेवा सत्यापन तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया में विलंब होने से कर्मचारियों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ती है। कुछ मामलों में प्रशासनिक अनुमोदन हेतु प्रकरण देर से प्रस्तुत होने के कारण भुगतान और अन्य लाभ प्रभावित होते हैं। उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए सभी स्तरों पर समयबद्ध कार्यसंस्कृति अपनाने के निर्देश दिए।

मंत्री ने शासन स्तर पर, विभागाध्यक्ष स्तर और अधीनस्थ कार्यालयों में सेवानिवृत्ति संबंधी कार्यों के लिए चेकलिस्ट आधारित मॉनिटरिंग प्रणाली लागू करने को कहा है। प्रत्येक कार्यालय में आगामी सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों की सूची तैयार कर उनकी प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी, ताकि कोई भी प्रकरण लंबित न रहे।

लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सेवानिवृत्ति केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि कर्मचारी के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है। इसलिए विभागीय अधिकारियों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी कर्मचारियों को सम्मानजनक विदाई के साथ उनके सभी वैधानिक स्वत्व अधिकार समय पर प्राप्त हों।

विधायक मूणत ने बिन्दा बाई सोनकर स्कूल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण का किया भूमिपूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर पश्चिम विधायक एवं प्रदेश के पूर्व केबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर निगम जोन 5 अंतर्गत ठाकुर प्यारेलाल सिंह वार्ड अंतर्गत अश्विनी नगर में बिन्दा बाई सोनकर स्कूल में रायपुर पश्चिम विधायक निधि मद से 25 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से स्कूल में अतिरिक्त कक्ष के निर्माण कार्य का शिलान्यास कर श्रीफल फोड़कर एवं कुदाल चलाकर भूमिपूजन रायपुर नगर निगम सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, जोन 5 जोन अध्यक्ष श्री अम्बर अग्रवाल, पार्षद श्री रवि सोनकर, एल्डरमैन श्री रामकिंकर सिंह ठाकुर, श्री अनिल सोनकर, अमलेश्वर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष श्री दयानन्द सोनकर, पूर्व एल्डरमैन डॉ सुखनन्दन सोनकर, सोनकर समाज प्रदेश अध्यक्ष, पदाधिकारियों, स्कूल प्राचार्य, शिक्षकों, शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों, जोन 5 जोन कमिश्नर श्री खीरसागर नायक, कार्यपालन अभियंता श्री लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता श्री नागेश रामटेके, उपअभियंता सुश्री प्राची चौबे सहित महिलाओं, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, वरिष्ठ नागरिकों, नवयुवकों, आमजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति के मध्य करते हुए शानदार सौगात दी।

कुरीतियों को उजागर कर युवाओं को दें सकारात्मक दिशा : मधुकर द्विवेदी

- नशा मुक्ति अभियान में पत्रकारिता की भूमिका निर्णायक

मनेंद्रगढ़ (विश्व परिवार)। वरिष्ठ पत्रकार श्री मधुकर द्विवेदी ने कहा कि पत्रकारिता का मूल दायित्व केवल घटनाओं की जानकारी देना नहीं, बल्कि समाज के सामने सही तथ्य रखना, जनहित के मुद्दों को आवाज देना और व्यवस्था को उसके दायित्वों के प्रति जवाबदेह बनाना है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति जैसे गंभीर सामाजिक विषय पर पत्रकारिता की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। मीडिया को नशे से जुड़ी कुरीतियों और गलत गतिविधियों को उजागर करने के साथ-साथ युवाओं के सामने सकारात्मक विकल्प, प्रेरणादायक उदाहरण और सही दिशा भी प्रस्तुत करनी चाहिए।

भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), रायपुर द्वारा रविवार को मनेंद्रगढ़ में पत्रकारों के लिए आयोजित एक दिवसीय क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला-सह-संवाद कार्यक्रम 'वार्तालाप' में श्री द्विवेदी ने पत्रकारिता की सामाजिक जिम्मेदारी और नशा मुक्ति अभियान में मीडिया की भूमिका पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। कार्यशाला का मुख्य विषय 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' था।

श्री द्विवेदी ने कहा कि पत्रकारिता की वास्तविक शक्ति उसके शब्दों, तथ्यों और जनविश्वास में निहित है। एक पत्रकार की कलम केवल समाचार नहीं लिखती, बल्कि जनमत का निर्माण करती है, समाज में चेतना पैदा करती है और आवश्यकता पड़ने पर सत्ता एवं व्यवस्था से सवाल भी करती है। उन्होंने कहा कि जब समाज की विभिन्न संस्थाएं अपने दायित्वों का निर्वहन अपेक्षित रूप से नहीं कर पा रही हों, तब पत्रकारिता की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। पत्रकार के पास समाज के सामने सच रखने और जनहित के प्रश्नों को प्रभावी ढंग से उठाने की विशेष शक्ति है।

पत्रकारिता की प्रभावशीलता को रेखांकित करते हुए श्री द्विवेदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी और 'वॉशिंगटन पोस्ट' से जुड़े प्रसंग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह उदाहरण बताता है कि निर्भीक, तथ्यपरक और प्रभावशाली पत्रकारिता सत्ता के सर्वोच्च स्तर तक को प्रभावित कर सकती है। यदि पत्रकारिता किसी जनहित के मुद्दे को पूरी प्रतिबद्धता और दृढ़ता के साथ उठाती है, तो उसकी आवाज दुनिया के सबसे शक्तिशाली पद पर बैठे व्यक्ति तक भी पहुंच सकती है और उसे जवाबदेह बनाने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को केवल समाचार को प्रमुखता दिलाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए।

जप्त ठेला तीन दिन के अंदर टाकाघर से ले जावे, अन्यथा होगी नीलामी

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। यातायात बांधित करने वाले तथा साफ सफाई प्रभावित करने वाले ठेला खोमचा निगम का अतिक्रमण दस्ता द्वारा जप्त कर टाकाघर परिसर में रखा गया है। जिसे तीन दिवस के अंदर ले जाने निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम ने संबंधित ठेला मालिको से अपील की है। ठेला नही ले जाने की स्थिति में निगम द्वारा विधिवत नीलाम की जावेगी।

उल्लेखनीय है कि सडक किनारे एंव सार्वजनिक स्थलो में अतिक्रमण कर ठेला खोमचा लगाने से यातायात व्यवस्था में व्यवधान को देखते हुए तथा साफ सफाई प्रभवित होने को ध्यान में रखकर नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता शहर में निरीक्षण कर एंव शिकायत के आधार पर ठेला हटाने की कार्यवाही किये। उक्त ठेला नगर निगम के टाकाघर में रखा गया है। ठेला ले जाने आयुक्त श्री मरकाम ने संबंधित ठेला मालिको से प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अपील की है, ठेला नही ले जाने की स्थिति में विधिवत नीलामी की जावेगी। तीन दिवस के भीतर संबंधित ठेला मालिक अपना ठेला ले जा सकते है, निर्धारित अवधि के पश्चात नीलाम की जावेगी।

राजधानी में अतिक्रमणों, अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाये

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम अपर आयुक्त नगर निवेश श्री पंकज के. शर्मा ने नगर निगम मुख्यालय डेटा सेंटर में नगर निवेशक श्री आभाष मिश्रा, कार्यपालन अभियंता श्री आशुतोष सिंह, सहायक अभियंता श्री नीतीश झा सहित सभी जोनों के नगर निवेश विभाग के सहायक अभियंताओं एवं उपअभियंताओं की उपस्थिति में नगर निगम नगर निवेश विभाग के कामकाज पर गहन समीक्षा करते हुये अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।

अपर आयुक्त श्री पंकज के. शर्मा ने सभी जोनों के नगर निवेश विभाग के सहायक अभियंताओं एवं उपअभियंताओं को राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में अतिक्रमणों, अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं. अपर आयुक्त ने समयसीमा के भीतर प्रकरणों को निराकृत किये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश जोनों के नगर निवेश विभाग अभियंताओं को दिए हैं।

आरसेटी में 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण सम्पन्न

बलौदाबाजार। एसबीआई ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बलौदाबाजार में द35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण कार्यक्रम के बैच का असेसमेंट एवं फेयरवेल कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 28 प्रशिक्षणार्थियों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सौंदर्य एवं व्यक्तिगत देखभाल के क्षेत्र में आवश्यक व्यावहारिक एवं तकनीकी कौशल प्रदान किए गए। प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान अर्जित ज्ञान, कौशल एवं अनुभवों को साझा करते हुए स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने तथा आत्मनिर्भर बनने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

फुटपाथ पर जूते चप्पल बेचने वाले दुर्गा मानकर का स्वयं के आवास बनने से बारिश में मिली राहत

- प्रधानमंत्री आवास योजना से बना अशियाना
- महतारी वंदन योजना से जरूरतों की हुई पूर्ति

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 शहरी के माध्यम से राजनांदगांव शहर में कुल 1115 आवासो की स्वीकृति बी.एल.सी. (हितग्राही द्वारा स्वयं से आवास निर्माण) के तहत शासन से प्राप्त हुई है। इस स्वीकृति के विरूद्ध महापौर श्री मधुसूदन यादव एवं निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकामन के मार्गदर्शन में नगर के विभिन्न वार्डो मे 180 आवासो का निर्माण पूर्ण हो गया है तथा 507 आवास विभिन्न स्तरो पर निर्माणाधीन है। आवास योजना का लाभ लेकर स्वयं के आवास में रहने वाले नवागांव वार्ड नं. 1 निवासी दुर्गा मानकर एक फुटपाथ चैक चैराहे में जूता चप्पल बेचने का काम करते हैं। इनकी पत्नि शीतल मानगर आवास योजना में अपने आवास की स्वीकृति से लेकर आवास पूर्ण होते तक की दास्ता अपने शब्दो में कुछ प्रकार बया करती है कि मेरी जिंदगी खानाबदोश थी, किराये के घर में जीवन गुजरते हुए, मेरे पति रोड के किनारे फुटपाथ पर चप्पल-जूते की दुकान लगा कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। मैं जब शादी होकर ससुराल आयी तो वो किराये के छोटे से घर में एक संयुक्त परिवार में आयी थी।

वित्तीय साक्षरता के प्रति किया जागरूक

जशपुर (विश्व परिवार)। दुलदुला मनी वाइस आरोह फाउंडेशन नोयडा दिनांक 10/08/2026 को भारतीय स्टेट बैंक दुलदुला के मार्गदर्शन में ब्लॉक दुलदुला के ग्रामपंचायत चम्पाटोली के जामझरिया में पंचायत, सरपंच एवं महिला बालविकास के बी पी एम जानकी लकड़ा और उद्यमी विकास के मेम पीआरपी रूपमाला जी उनके साथ घर में काम करने वाले सभी सक्रिय महिलाएं उपस्थित थे। भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के जनरल फील्ड ऑफिसर साथ में बैंक सखी (BC) भी उपस्थित रहे, उनके समीप कार्यक्रम का आयोजित किया गया जिसमें सभी को वित्तीय साक्षरता के अंतर्गत बैंकिग लेन देन संबंधी जानकारी दिया गया और बताया गया कि सावधानी ही सुरक्षा है।

दुलदुला ब्लॉक के ब्लॉक कोर्डिनेटर रूपेश कुमार यादव जशपुर से LDM सर राकेश तिवारी और फैन्सियल लिट्रेसी के प्रमुख अभिनय सर के द्वारा - बचत का महत्त्व, बचत परियोजनाएं , प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योती बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, डिजिटल बैंकिग लेन देन, अलग अलग फील्ड में पैसों का निवेश करना, ऑनलाइन ट्रांसफर (UPI), उपभोक्ता संरक्षण एवं शिकायत निवारण, और अपने हित का सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई जिसमे सभी लोग इस जानकारी को अच्छे से समझे और सुने।

उफनते नाले के बीच बांस के सहारे स्कूल पहुंच रहे शिक्षक, बच्चों की पढ़ाई से बेखबर प्रशासन

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बारिश का मौसम गांवों में रहने वाले लोगों के लिए केवल हरियाली ही नहीं, बल्कि कई मुश्किलें भी लेकर आता है। बीजापुर जिले के इलमीडी क्षेत्र के आवासपारा-सेमलडोड्डी में बारिश के दौरान स्कूल पहुंचना बच्चों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। यहां पदस्थ शिक्षक बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए उफनते नाले को जान जोखिम में डालकर हर दिन स्कूल पहुंच रहे हैं।

आवास पारा-सेमलडोड्डी के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल में पांच शिक्षक और एक भृत्य पदस्थ हैं। बारिश के दौरान सेमलडोड्डी नाला उफान पर आ जाता है, जिससे स्कूल तक पहुंचने का रास्ता बेहद खतरनाक हो जाता है। पुराने स्टॉप डेम के ऊपर ग्रामीणों ने बांस की मदद से अस्थायी रैंप बनाया है। फिलहाल यही शिक्षकों के लिए स्कूल पहुंचने का एकमात्र सहारा है।

नाले में पानी बढ़ने के बाद बांस से बने इस अस्थायी रास्ते से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं है। नीचे तेज बहाव और बड़े-बड़े पत्थर हैं। ऐसे में जरा-सी चूक या पैर फिसलने पर बड़ा हादसा हो सकता है। शिक्षक अचैया तोरेम ने बताया कि बारिश के दिनों में हर साल ऐसी स्थिति बनती है। नाला उफान पर आने के बाद स्कूल पहुंचना मुश्किल हो जाता है, लेकिन बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इसलिए शिक्षक किसी तरह यह रास्ता पार कर स्कूल पहुंचते हैं।

14 को जगदलपुर में होगा स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन

जगदलपुर। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में शुक्रवार 14 अगस्त को स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। नागरिकों में देशभक्ति की भावना का संचार करने तथा खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाली इस दौड़ में समाज के सभी वर्गों की व्यापक भागीदारी देखने को मिलेगी। इस गरिमामय दौड़ में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राएं, पुलिस ट्रेनिंग सेंटर व होमगार्ड के जवान तथा खेल संघों के खिलाड़ी और पदाधिकारी एक साथ शामिल होंगे। सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग सुशांत पॉल से मिली जानकारी के अनुसार स्वतंत्रता दौड़ का शुभारंभ 14 अगस्त की सुबह 7:30 बजे माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर से होगा।

रेस्टोरेंट-डेयरी संचालकों पर नगर पालिका की सख्ती, एनालॉग पनीर मिला तो होगी कड़ी कार्रवाई

- नगर पालिका कवर्धा ने डेयरी संचालक व रेस्टोरेंट संचालकों को थमाया पत्र

कवर्धा (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में नगर पालिका परिषद कवर्धा ने शहर के समस्त रेस्टोरेंट एवं डेयरी संचालकों के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। नगर पालिका ने स्पष्ट किया है कि एनालॉग (गैर-दुग्ध) पनीर अथवा ऐसे अन्य गैर-दुग्ध उत्पाद, जिन्हें वास्तविक दुग्ध उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, का निर्माण, भंडारण, विक्रय, उपयोग अथवा वितरण पाए जाने पर संबंधित संचालक के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा राजपत्र क्रमांक 424, दिनांक 31 जुलाई 2026 के माध्यम से जारी अधिसूचना के अनुसार एनालॉग पनीर तथा ऐसे अन्य गैर-दुग्ध उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिन्हें वास्तविक दुग्ध उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने क्षेत्र के सभी रेस्टोरेंट एवं डेयरी संचालकों को पत्र प्रेषित कर निर्देशित किया है कि वे अपने प्रतिष्ठानों में किसी भी प्रतिबंधित एनालॉग पनीर या अन्य प्रतिबंधित खाद्य उत्पाद का निर्माण, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन, वितरण, विक्रय अथवा उपयोग न करें। पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि निरीक्षण के दौरान यदि किसी प्रतिष्ठान में प्रतिबंधित उत्पाद पाए जाते हैं तो संबंधित संचालक के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा अन्य प्रचलित नियमों के तहत नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 11 अगस्त 2026

पर्यटन स्थलों पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस की सख्ती

गरियाबंद। जिले के पर्यटन स्थलों पर शराब का सेवन कर वाहन चलाने वालों के खिलाफगरियाबंद पुलिस ने सख्त अभियान शुरू किया है। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर- के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा लगातार वाहन चेकिंग की जा रही है। इसी अभियान के तहत -चिंगरापगार तिराहा- के पास विशेष चेकिंग प्वाइंट लगाकर वाहन चालकों की जांच की गई। चेकिंग के दौरान यातायात पुलिस टीम ने आने-जाने वाले वाहन चालकों का -ब्रीथ एनालाइजर मशीन से अल्कोहल टेस्ट- किया। जांच में तीन मोटरसाइकिल चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए। पुलिस ने तीनों वाहन चालकों के खिलाफ-मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185- के तहत वैधानिक कार्रवाई की है।

थाना पंडरी व थाना उरला में ई-मालखाना प्रणाली का शुभारंभ

- जप्त माल की चेन ऑफ कस्टडी होगी सुदृढ़, कार्यप्रणाली में बढ़ेगी पारदर्शिता, जवाबदेही एवं दक्षता

रायपुर (विश्व परिवार)। पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पुलिस कमिश्नरेट रायपुर में पुलिसिंग को आधुनिक, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में आज उत्तर जोन अंतर्गत थाना पंडरी एवं थाना उरला में ई-मालखाना प्रणाली का शुभारंभ किया गया। दोनों थानों में ई-मालखाना प्रणाली का शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रायपुर श्री अमित तुकाराम कांबले, ढ्ढक्र के करकमलों से किया गया।पुलिस उपायुक्त उत्तर जोन श्रीमती दीपमाला कश्यप (रा.पु.से.) के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त उत्तर जोन श्री आदित्य पांडे (रा.पु.से.) के पर्यवेक्षण में उत्तर जोन के थानों में पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक तकनीक आधारित, व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल की गई है।

ई-मालखाना प्रणाली के माध्यम से अपराधों एवं अन्य प्रकरणों में जप्त किए गए माल-मशरूका का डिजिटल रिकॉर्ड संधारित किया जाएगा। जप्त माल की प्रविष्टि से लेकर उसके सुरक्षित रख-रखाव, आवक-जावक, संबंधित प्रकरण से लिंकिंग तथा न्यायालयीन प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज रहेगी।

इस डिजिटल व्यवस्था से जप्त माल की प्रत्येक गतिविधि का रिकॉर्ड आसानी से उपलब्ध रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर किसी भी प्रकरण से संबंधित जप्त माल की स्थिति, विवरण एवं उसके रख-रखाव से जुड़ी जानकारी शीघ्रता से प्राप्त की जा सकेगी। इससे मालखाना प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ने के साथ-साथ मानवीय त्रुटियों की संभावना भी कम होगी।

ई-मालखाना प्रणाली के लागू होने से जप्त संपत्ति की चेन ऑफ कस्टडी और अधिक सुदृढ़ होगी तथा जप्त माल के न्यायालय में प्रस्तुतिकरण एवं निस्तारण की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित एवं जवाबदेह बनेगी। डिजिटल रिकॉर्ड के माध्यम से जप्त माल के प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया पर बेहतर निगरानी भी संभव होगी।

पुलिस कमिश्नरेट रायपुर द्वारा चरणबद्ध रूप से विभिन्न थानों में ई-मालखाना प्रणाली लागू की जा रही है। थाना पंडरी एवं थाना उरला में इसकी शुरुआत इसी क्रम में की गई है। इसका उद्देश्य तकनीक के बेहतर उपयोग के माध्यम से जप्त माल के सुरक्षित, वैज्ञानिक एवं पारदर्शी प्रबंधन के साथ पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक आधुनिक, प्रभावी एवं जवाबदेह बनाना है।

इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त उत्तर जोन श्रीमती दीपमाला कश्यप (रा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त उत्तर जोन श्री आदित्य पांडे (रा.पु.से.), सहायक पुलिस आयुक्त पंडरी श्री कृष्ण कुमार चंद्राकर (रा.पु.से.), सहायक पुलिस आयुक्त उरला सुश्री पूर्णिमा लामा (रा.पु.से.), थाना प्रभारी पंडरी निरीक्षक परेश पांडे, थाना प्रभारी उरला निरीक्षक रोहित मालेकर सहित थाना पंडरी एवं थाना उरला के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आंजनेय विश्वविद्यालय : बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए तैयार होंगे प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स

- 'रक्षक' पाठ्यक्रम कानूनों का सैद्धांतिक अध्ययन नहीं बल्कि विद्यार्थियों को बाल संरक्षण की व्यावहारिक समझ प्रदान करना है : चांसलर अभिषेक अग्रवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा और संरक्षण को लेकर आंजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (PGDPCR) के नए बैच रक्षक का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (CGSCPCR) के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।'रक्षक' की विशेषता यह है कि छत्तीसगढ़ में राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने राज्य के विश्वविद्यालयों के साथ समझौता कर एक साझा शैक्षणिक पहल के रूप में प्रारंभ किया है। 'मुख्य अतिथि डॉ वर्णिका शर्मा' अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कहा कि कार्यक्रम का नाम 'रक्षक' केवल एक पाठ्यक्रम का नाम नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी है। आज बच्चों को हिंसा, शोषण, बाल श्रम, बाल विवाह, साइबर जोखिम और अन्य अनेक चुनौतियों से बचाने के लिए प्रशिक्षित एवं संवेदनशील मानव संसाधन की आवश्यकता है। ऐसे में यह पाठ्यक्रम युवाओं को ज्ञान के साथ संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से जोड़ने का प्रयास है। 'चांसलर श्री अभिषेक अग्रवाल' ने बताया कि रक्षक पाठ्यक्रम का उद्देश्य केवल बाल अधिकारों के कानूनों का सैद्धांतिक अध्ययन कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को बाल संरक्षण व्यवस्था की व्यावहारिक समझ प्रदान करना है।

पाठ्यक्रम पूरा करने पर रोजगार के अवसर

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को बाल अधिकारों की समझ के साथ-साथ रोजगार के नए अवसरों से भी जोड़ेगा। पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद विद्यार्थी बाल संरक्षण इकाइयों, बाल कल्याण समितियों, किशोर न्याय से जुड़े संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों, बाल देखभाल संस्थानों, सामाजिक विकास परियोजनाओं तथा विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों में कार्य के अवसर तलाश सकेंगे।

तिरंगा 140 करोड़ भारतीयों के स्वाभिमान की अमर गाथा, भारत को विश्वगुरु बनाने का लें संकल्प: अनुज शर्मा

रायपुर (विश्व परिवार)। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आज राजधानी रायपुर में एक विशाल एवं भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। देशभक्ति से सराबोर यह यात्रा सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होते हुए सुभाष स्टेडियम तक पहुंची। इस भव्य आयोजन में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, धरसीवाँ विधायक अनुज शर्मा सहित विभिन्न मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, स्कूली छात्र-छात्राएं और हजारों की संख्या में आम नागरिक हाथों में तिरंगा थामे पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए।

तिरंगा यात्रा राष्ट्रभक्ति का महान अनुष्ठान: मुख्यमंत्री

इंडोर स्टेडियम से शुरू होकर यह तिरंगा यात्रा शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों से गुजरी। पूरी यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के गगनभेदी नारों से राजधानी का वातावरण पूरी तरह राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा, 'तिरंगा यात्रा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का एक महान अनुष्ठान है। यह हमारी एकता, अखंडता और संप्रभुता का प्रतीक है।' उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से अपने-अपने घरों पर शान से तिरंगा फहराने की अपील की।

यात्रा के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए धरसीवाँ विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा, 'तिरंगा केवल एक कपड़ा या झंडा नहीं, बल्कि देश के करोड़ों स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सपूतों के बलिदान की अमर गाथा है। आज की यह तिरंगा यात्रा इस बात का उद्घोष है कि हमारा भारत एक नए युग, नए आत्मविश्वास और अजेय शक्ति के साथ आगे बढ़ रहा है।'

'हर घर तिरंगा' और 'तिरंगा यात्रा' राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक: किरण देव

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा : 11 से 15 अगस्त तक प्रदेश के कोने-कोने में शान से लहराएगा तिरंगा, छत्तीसगढ़ के हर नागरिक की होगी इस अभियान में भागीदारी
- स्वाधीनता सेनानियों और वीर शहीदों को नमन कर युवा सम्भालेंगे 'तिरंगा यात्रा' की कमान

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने पार्टी के राष्ट्रीय आह्वान पर आयोजित होने वाले 'हर घर तिरंगा' और 'तिरंगा यात्रा' अभियान में प्रदेशवासियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहभागिता की अपील की है। श्री देव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'हर घर तिरंगा' अभियान अब एक जनांदोलन का रूप ले चुका है। यह अभियान देश के प्रति हमारी निष्ठा, राष्ट्रीय स्वाभिमान और अमर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता को अभिव्यक्त करने का पावन अवसर है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि आगामी 11 अगस्त से 15 अगस्त तक छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले, मण्डल, ग्राम पंचायत और बूथ स्तर तक 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान लाखों घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराया जाएगा। इस दौरान प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों और प्रमुख शहरों में युवाओं, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों को जोड़कर भव्य 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया जाएगा। बाइक रैलियों और विविध निर्धारित कार्यक्रमों के माध्यम से देशभक्ति का संदेश घर-घर तक पहुँचाया जाएगा। श्री देव ने कहा कि अभियान के तहत राज्य के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारों, अमर शहीदों के परिजनों और पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया जा रहा है। इस कड़ी में प्रदेशभर में स्थापित महापुरुषों और शहीदों की प्रतिमाओं की सफाई कर उन पर माल्यार्पण भी किया जाएगा। श्री देव ने बताया कि इस अभियान के सुचारू संचालन के लिए प्रदेश, जिला और मण्डल स्तर पर विशेष समितियों का गठन किया गया है। पार्टी के सभी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सांसद, विधायक और कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ इस राष्ट्रभक्ति के पर्व को सफल बनाने के लिए मैदान में उतरेंगे। श्री देव ने छत्तीसगढ़ के सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों, युवाओं और प्रबुद्धजनों से आग्रह करते हुए कहा कि हम सब मिलकर अपनी मातृभूमि के गौरव 'तिरंगे' को अपने-अपने घरों पर लहराएं और सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें साझा कर छत्तीसगढ़ को देशभक्ति के रंग में सरोबार करें।

बोरियाकला धमतरी रोड में शंकराचार्य आश्रम के पास एक्सपायरी प्रोडक्ट का कचरा फेंका

- खाने के लालच में कई मवेशी रोड में एकत्रित हो रहे, यातायात दुर्घटना की आशंका

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी के बोरियाकला में धमतरी मेन रोड स्थित शंकराचार्य आश्रम नहर पार के पास पुष्प मसाला कंपनी एक्सपायरी प्रोडक्ट को भारी मात्रा में किसी व्यापारी द्वारा फेंक दिया गया है। सडक़ पर फैले इस कचरे को खाने के लालच में कई मवेशी रोड में झुंड के रूप में एकत्रित हो रहे हैं, जिससे यातायात में अवरोध पैदा हो रहा है, साथ ही दुर्घटना की भी स्थिति निर्मित हो रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बड़ी तदात में फेंके गए इस एक्सपायरी कचरे के कारण बदबू भी फैल रही है जिसके कारण किसी प्रकार की बिमारियों का खतरा न हो जाए इसकी भी आशंका जताई है। यहां के लोंगों का कहना है कि इस प्रकार एक्सपायरी प्रोडक्ट को यहां पर इस प्रकार फेंकना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। इस मामले पर लोगों का कहना है कि निगम प्रशासन को संज्ञान में लेकर इस पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 'रिसर्च प्रपोज़ल टू पब्लिकेशन' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। उस्मानिया विश्वविद्यालय की विशेषज्ञ डॉ. पी. हिमा बिंदु ने सशक्त प्रपोज़ल बनाने, मैनुस्क्रिप्ट की तैयारी और फर्जी जर्नल्स से बचने की साझा कीं व्यावहारिक रणनीतियां।

इस सत्र में उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के भौतिकी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पी. हिमा बिंदु ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए।

यह सत्र प्रात: 11:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक आयोजित किया गया। इस दौरान संकाय सदस्यों, शोधार्थियों एवं शोधकर्ताओं को अकादमिक प्रकाशन की प्रक्रिया को समझने तथा शोध पत्रों को सफलतापूर्वक प्रकाशित कराने हेतु व्यावहारिक एवं चरणबद्ध रणनीतियों से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायपुर के कुलपति प्रो. वाय. नरसिम्हुलू, कुलसचिव डॉ. रितेश कुमार देवांगन, आईक्यूएसी निदेशक डॉ. सीमा अग्रवाल एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप कुमार सोनकर सहित विश्वविद्यालय के गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सत्र के उद्देश्य:

1. शोध प्रक्रिया को समझना,
2. एक सशक्त शोध प्रस्ताव तैयार करना, 3. नैतिक और व्यवस्थित तरीके से शोध करना, 4. शोध आंकड़ों का विश्लेषण और व्याख्या करना, 5. वैज्ञानिक शोध-पत्र लिखना, 6. प्रकाशन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण करना।

डॉ. हिमा बिंदु ने भौतिक विज्ञान और शोध के क्षेत्र में अपने विस्तृत अनुभव का उपयोग करते हुए शोध प्रस्ताव के प्रारूपण से लेकर इंडेक्स्ड जर्नल में प्रकाशन तक की प्रक्रिया को सरल और स्पष्ट रूप से समझाया।

भविष्य संवारने वाले 160 गुरुजन सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। शिवानी स्मृति सेवा संस्थान द्वारा विमतारा भवन में आयोजित एक भव्य और गरिमापूर्ण समारोह में 'शिक्षादीप सम्मान समारोह' के माध्यम से एक सौ साठ गुरुजनों का सम्मान किया गया। शिक्षा के विविध आयामों में सक्रिय प्रबुद्ध जनों को सम्मान दिया गया।इसमें न केवल स्कूल व कॉलेज के अध्यापकों का सम्मान किया गया अपितु अलग अलग विधाओं में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। साथ ही करियर काउंसलर, पेरेंटिंग कोच,प्रतियोगी परीक्षाओं के कोच भी सम्मानित किए गए। समारोह के मुख्य अतिथि केपीएस ग्रुप के कार्यकारी निदेशक आशुतोष त्रिपाठी, कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती रंजन बेन शाह, विशिष्ट अतिथि कर्नल जे.एस.कक्कड़ व छग प्रायवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव गुप्ता थे। अतिथियों ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि विद्यार्थियों के लिए शिक्षक के मन में हमेशा समभाव होना चाहिए। विद्यार्थियों को इस बात की शिक्षा दी जाए कि वे आपस में किसी भी प्रकार के भेदभाव को बढ़ावा ना दें। प्रारंभ में मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन पश्चात् संस्थान के अध्यक्ष मुकेश शाह ने आयोजन की भूमिका रख स्वागत भाषण दिया।

रायपुर रेल मंडल में संरक्षा के प्रति सजग रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने सम्मानित किया

रायपुर (विश्व परिवार)। रेल परिचालन में संरक्षा की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले 08 रेल संरक्षा के सजग कर्मचारियों का सम्मान मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने किया एवं उनके संरक्षा संबंधी कार्यों पर चर्चा की। रेलवे में संरक्षा से रेल परिचालन की अहम भूमिका हैं, प्रत्येक रेल कर्मी के निर्धारित कर्तव्यों की निपुणता एवं सजगता रहने से यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाया जाता है एवं निर्बाध रेल परिचालन होता है।

मंडल रेल प्रबंधक रायपुर, श्री दयानंद के द्वारा संरक्षा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर संरक्षा कोटि के 08 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा सबंधी कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया गया । संरक्षा के लिए सम्मानित रेलकर्मियों में श्री होरीलाल मांडले, टेक. ग्रेड -1/भाटापारा , श्री यशवंत, टेक. ग्रेड -1/रायपुर, श्री चंदन कुमार सिंह, वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर /बी एम वाई, श्रीमति मंजू सागर, वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर /बी एम वाई, श्री चमन लाल, पी एम ए /केंद्री, श्री अनिरुद्ध कुमार आरडे, सिग्नल अनुरक्षक, ग्रेड -2/दल्लीराजहरा, श्री अशोक कुमार, ट्रैक मेन्टेनर -1/भिलाई एवं श्री विश्वनाथ नायक, ट्रैक मेन्टेनर -3/भिलाई।

इन संरक्षा कोटि के कर्मचारियों को सम्मानित किए जाने के अवसर पर संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नगर निगम जोन 01 में उपभियंता गोपाल प्रधान का विदाई समारोह

बिलासपुर (विश्व परिवार)। बिलासपुर स्थानांतरण होने पर उपभियंता श्री गोपाल प्रधान जी को जोन 01 कार्यालय में भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में जोन आयुक्त श्री अंशुल शर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री द्रोणी कुमार पैकरा, सहायक अभियंता श्री शरद देशमुख, श्रीमती क्रिस्टमनि अनुकंपा बड़ा, रश्मि भौमना एवं जोन के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने श्री प्रधान के कार्यकुशलता की सराहना करते हुए उन्हें नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रतिभास्थली की छात्राओं ने शतरंज प्रतियोगिता में लहराया परचम

- राज्य स्तरीय जूनियर ओपन क्लासिकल शतरंज प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय जूनियर ओपन क्लासिकल शतरंज प्रतियोगिता में प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ, डोंगरगढ़ की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभास्थली की छात्राओं ने अपनी एकाग्रता, रणनीतिक सोच, धैर्य एवं उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय देते हुए शानदार सफलता हासिल की। छात्राओं के बेहतरीन प्रदर्शन से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है।

प्रतियोगिता में व्रतिका जैन (कक्षा 9वीं), आर्या जैन (कक्षा 11वीं) एवं माही जैन (कक्षा 12वीं) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं दिवि जैन (कक्षा 7वीं) ने द्वितीय स्थान तथा चहक गजेन्द्र (कक्षा 7वीं) ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। छात्राओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354